

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:38 ता. 05 अगस्त 2022, शुक्रवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशिप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com

/Suratbhumi.com

/Suratbhumi

/Suratbhumi

/Suratbhumi

/Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार



नए संसद भवन के निर्माण का 70 प्रतिशत कार्य पूरा, सरकार ने लोकसभा में बताया

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने गुरुवार को बताया कि सेंट्रल विस्टा विकास/ पुनर्विकास योजना के तहत 5 परियोजनाओं का क्रियान्वयन हो रहा है, इसमें नए संसद भवन के निर्माण का 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। लोकसभा में राजेंद्र अग्रवाल के प्रश्न के उत्तर में शहरी कार्य एवं आवास राज्य मंत्री कौशल किशोर ने इसकी जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि आज की तारीख तक सेंट्रल विस्टा विकास/ पुनर्विकास योजना के तहत 5 परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। राज्य मंत्री द्वारा निचले सदन में रखे गए ब्यौरे के अनुसार, नए संसद भवन के निर्माण का 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है और इसे पूरा करने की तिथि नवंबर 2022 है। मंत्री ने कहा कि सेंट्रल विस्टा एग्रीन्यू का पुनर्विकास कार्य लगभग पूरा हो चुका है। इसमें कहा गया है कि साझा केंद्रीय सचिवालय भवन 1,2,3 का 17 प्रतिशत कार्य हुआ है और इस दिसंबर 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। जवाब के अनुसार उपराष्ट्रपति एनकेलव का 24 प्रतिशत कार्य पूरा हुआ है और इस जनवरी 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि एजिक्ज्यूटिव एनक्लेव का कार्य अभी शुरू नहीं किया गया है।

पेरिस समझौते के तहत भारत की अद्यतन एनडीसी के बारे में यूएनएफसीसीसी को सूचित किया: केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र ने गुरुवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में कहा कि उसने पेरिस समझौते के तहत भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को मंजूरी दी है। इस बारे में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) को सूचित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन को सूचना दिए जाने के लिए एनडीसी को बुधवार को मंजूरी दी थी। अद्यतन एनडीसी के अनुसार, भारत अब 2030 तक 2005 के स्तर से अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 45 प्रतिशत तक कम करने और 2030 तक गैर-जिवाश्म ईंधन-आधारित ऊर्जा संसाधनों से लगभग 50 प्रतिशत संयुक्त विद्युत शक्ति को स्थानित क्षमता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ को जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान घटनाक्रम को लेकर जानकारी दी गई। याचिका में यूएनएफसीसीसी के दौरान भारत द्वारा किए गए वादों को पूरा करने के लिए एक विशेष समिति गठित करने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

जस्टिस यू यू ललित देश के अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे, सीजेआई ने केंद्र को भेजी नाम की सिफारिश

नई दिल्ली। जस्टिस यू यू ललित देश के अगले मुख्य न्यायाधीश बनने वाले हैं। मौजूदा सीजेआई जस्टिस रमना ने केंद्र की मोदी सरकार को जस्टिस ललित के नाम की सिफारिश भेजी है। परंपरा के मुताबिक रिटायर होने वाले सीजेआई नए सीजेआई के नाम की सिफारिश करते हैं। 26 अगस्त को सीजेआई रमना रिटायर होने वाले हैं। बता दें कि जस्टिस यू यू ललित मुसलमानों में 'तीन तलाक' की प्रथा को अवैध ठहराने सहित कई ऐतिहासिक फैसलों का हिस्सा रहे हैं। वह इस्लाम के दूसरे प्रधान न्यायाधीश बनने वाले हैं, जिन्हें बार से सीधे शीर्ष अदालत की पीठ में पदोन्नत किया गया। ललित से पहले जस्टिस एस.एम. लोखिया मार्च 1964 में शीर्ष अदालत की पीठ में सीधे पदोन्नत होने वाले पहले वकील थे। वह जनवरी 1971 में 13वें सीजेआई बने थे। जस्टिस ललित मौजूदा प्रधान न्यायाधीश रमण के सेवानिवृत्त होने के एक दिन बाद 27 अगस्त को भारत के 49वें सीजेआई बनने के लिए कतार में हैं। जस्टिस ललित को 13 अगस्त 2014 को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। तब वह जाने-माने वकील थे। जस्टिस ललित तब से शीर्ष अदालत के कई ऐतिहासिक निर्णयों का हिस्सा रहे हैं। पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अगस्त 2017 में 3-2 के बहुमत से 'तीन तलाक' को असंवैधानिक घोषित कर दिया था। उन तीन न्यायाधीशों में जस्टिस ललित भी थे। जस्टिस यू यू ललित की अध्यक्षता वाली पीठ ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत एक मामले में बंबई उच्च न्यायालय के 'त्वचा से त्वचा के संपर्क' संबंधी विवादित फैसले को खारिज कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यौन हमले का सबसे महत्वपूर्ण घटक यौन मंशा है, बच्चों की त्वचा से त्वचा का संपर्क नहीं। एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में जस्टिस ललित की अगुवाई वाली पीठ ने कहा था कि त्रावणकोर के पूर्व शाही परिवार के पास केरल में ऐतिहासिक श्री पद्मानाभस्वामी मंदिर के प्रबंधन का अधिकार है। नौ नवंबर, 1957 को जन्मे जस्टिस ललित ने जून 1983 में एक वकील के रूप में पंजीकरण कराया था और दिसंबर 1985 तक बम्बई उच्च न्यायालय में वकालत की थी। वह जनवरी 1986 में दिल्ली आकर वकालत करने लगे और अप्रैल 2004 में उन्हें शीर्ष अदालत द्वारा एक वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया। 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन मामले में सुनवाई के लिए उन्हें केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया गया था। जस्टिस ललित आठ नवंबर, 2022 को सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

लोकसभा में फिर दूरी मर्यादा

सदस्यों ने दिखाई तख्तियां, वेल में नारेबाजी, नहीं चली सदन की कार्यवाही

नई दिल्ली। (एजेंसी)

संसद का बड़ा काम यू को नियम कानून बनाना है लेकिन राजनीति इतनी हावी होती है कि खुद के बनाए नियम परंपराओं को भी बार बार तोड़ा जाता है। दो दिन पहले ही सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच का गतिरोध तब टूटा था जब सदन में प्लेकार्ड दिखाए पर निर्लंबित हुए विपक्ष के चार सदस्यों को वापस सदन में आने की अनुमति दी गई थी। उसी वक लोकसभा अध्यक्ष की ओर से यह भी चेतावनी गयी थी कि अगर कोई भी तख्तियां दिखाता है या फिर वेल में आता है तो कार्यवाही हो सकती

है। इस चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए फिर से विपक्ष के कई सदस्यों ने तख्तियां भी दिखाया और वेल में भी उतर आए। लिहाजा सदन की कार्यवाही कई बार बाधित हुई। गुरुवार को लोकसभा में शेर शराबे के बीच कुछ देर तो प्रश्नकाल चला लेकिन आखिरकार इसे स्थगित करना पड़ा। दरअसल कांग्रेस समेत कई विपक्षी सदस्यों की ओर से ईडी के दुरुपयोग, जीएसटी आदि को लेकर तख्तियां दिखाई गईं। ऐसा करने वालों में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी भी शामिल थे। कांग्रेस, बीएसपी के कई सदस्य वेल में भी दिखाए। कुछ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने

उन्हें चेतावनी दी कि सदस्य वेल से नहीं गए तो कार्यवाही होगी लेकिन कोई उन्हें सुनने को तैयार नहीं था। वहीं कांग्रेस ने प्रवर्तन निदेशालय की कार्यवाही का हवाला देते हुए राज्य सभा में तीखे स्वर में सरकार पर सवाल उठाए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मुझे ईडी का समन मिला और उन्होंने मुझे बुलाया है। मैं कानून का पालन करना चाहता हूं, लेकिन जब संसद का सत्र चल रहा हो तो क्या उनका समन करना सही है? क्या पुलिस के लिए सोनिया गांधी और राहुल गांधी के आवासों का घेराव करना सही है?



कांग्रेस कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि नेता हम कानून के शासन में विश्वास करते हैं। हम सभी कानून का पालन करने वाले नागरिक हैं लेकिन जब विपक्ष के सांसद सत्र के दौरान बहस में भाग ले रहे हैं तो प्रवर्तन निदेशालय उन्हें समन कर रहा है। गौरतलब है कि एक दिन पहले भी जब ईडी नेशनल हेराल्ड मामले में कई स्थानों पर जांच कर रहा था तो कांग्रेस के सदस्यों ने सदन में विरोध जताया था। उस वक सोनिया गांधी भी वेल में पहुंच गई थीं।

इंटेलिजेंस ब्यूरो ने दिल्ली पुलिस और बीएसएफ को भेजा आतंकी अलर्ट, 15 अगस्त को लेकर

नई दिल्ली। (एजेंसी)

15 अगस्त को लेकर इंटेलिजेंस ब्यूरो ने दिल्ली पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को आतंकी हमले का अलर्ट भेजा है। आईबी ने दिल्ली पुलिस और अन्य को 10 पन्नों की रिपोर्ट भेजी है, जिसमें कहा गया है कि लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद सहित कुछ आतंकी संगठन देश में किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं। बात दें कि देश इस साल आजादी का 75वां अमृत महोत्सव मना रहा है। इस लेकर आईबी ने दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियों को 15 अगस्त के मौके पर सुरक्षा चाक चौबंद करने को कहा है। 10 पन्नों के अपने अलर्ट में आईबी ने बताया कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई आतंकीयों को लाइसेंसिड सपोर्ट देकर कोई बड़ी वारदात करने की फिराक में है। इसके लिए दिल्ली पुलिस को लाल किले के सभी प्रवेश द्वार पर सुरक्षा कड़ी करने की हिदायत दी गई है। सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ को भी बॉर्डर इलाके में चौकसा रहने को कहा गया है। सूत्रों के मुताबिक, आईबी ने अपनी रिपोर्ट में



लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद सहित कुछ आतंकी संगठन देश में किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे पर हमले का भी जिक्र कर सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। रिपोर्ट में उदयपुर और अमरावती की घटनाओं का जिक्र कर कहा गया है कि भीड़भाड़ वाली जगहों पर रेडिकल समूहों पर कड़ी नजर रखी जाए। रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि आतंकी कई बड़े नेता और संस्थानों को भी निशाना बनाया जा सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, आतंकी पैरा ग्लाइडर्स और यूएवी का इस्तेमाल अपनी नापाक घटनाओं को अंजाम देने के लिए कर सकते हैं। दिल्ली पुलिस को आसपास के इस्तरह के इलाके जहां रोहिंया और अफगानी नागरिक रहते हैं, वहां पर विशेष नजर रखने की हिदायत दी गई है। इस अलर्ट के बाद दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा जांच बढ़ाना शुरू कर दिया है।

हरभजन सिंह ने संसद में अफगानिस्तान में सिखों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया, सभापति ने की प्रशंसा

नई दिल्ली। (एजेंसी)

टीम इंडिया के महारू क्रिकेटर रहे और अब राजनेता बने हरभजन सिंह ने संसद में अफगानिस्तान और सिखों पर कुछ ऐसा कहा कि उनकी तारीफ राज्यसभा के सभापति ने भी कर दी। हरभजन सिंह ने राज्यसभा में अफगानिस्तान में सिखों और गुरुद्वारों पर हमले का मुद्दा उठाया। हरभजन सिंह ने कहा अफगानिस्तान में सिखों पर हमले हो रहे हैं। यह ऐसा मुद्दा है जिससे सिखों की भावनाएं आहत हो रही हैं। दरअसल, पंजाब से आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने अफगानी सिखों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। बुधवार को राज्यसभा में हरभजन सिंह बोलते नजर आए। हरभजन सिंह हाथ जोड़कर खड़े हुए और अपनी बात रखी। हरभजन ने कहा कि अफगानिस्तान में सिखों और गुरुद्वारों पर हमले से सिखों की भावनाएं आहत हो रही हैं। यह सिखों की पहचान पर हमला हो रहा है। क्यों हमें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने इस दौरान सिखों के सामाजिक कार्यों का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान गुरुद्वारों ने सिर्फ भोजन ही नहीं बल्कि ऑक्सीजन तक उपलब्ध कराई। हर मुश्किल वक में सिख समुदाय के लोग सेवा के लिए सबसे आगे रहते हैं, फिर हमें निशाना क्यों बनाया जा रहा है। सिख समुदाय भारत और अन्य देशों के बीच संबंधों की एक मजबूत कड़ी रहा है। इसके आगे हरभजन सिंह ने कहा कि ये एक ऐसा मुद्दा है जिसने दुनिया के किसी भी कोने में रहने वाले सिखों की भावना को आहत किया है। यह एक सिख होने की पहचान पर हमला है। इस तरह के हमले हमें कई संभाल करने पर मजबूर कर देते हैं कि यह हमले हमारे ऊपर ही क्यों होते हैं। क्यों हमें ही निशाना बनाया जा रहा है। हरभजन ने अपनी बात जैसे ही खत्म की तो इसके बाद राज्यसभा के सभापति वैकेया नायडू ने भी उनकी तारीफ की। इस पर सांसदों ने तालियां बजाईं। इतना ही नहीं इसके बाद सभापति ने देश के विदेश मंत्री का जिक्र करते हुए उन्हें इस मामले पर ध्यान देने के लिए भी कहा। हरभजन सिंह ने संसद में दिए अपने भाषण का वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर भी पोस्ट किया है।

मुंबई पुलिस ने दवा बनाने वाली कंपनी पर मारा छापा, 1400 करोड़ की ड्रग्स जब्त

मुंबई। मुंबई पुलिस ने पालघर के नालासोपारा में दवा बनाने वाली कंपनी पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान 1400 करोड़ रुपये की 700 किलोग्राम से ज्यादा मेफेंड्रोन (ड्रग्स) जब्त



किया गया। पुलिस ने छापे के दौरान 5 लोगों को भी गिरफ्तार किया है। मुंबई क्राइम ब्रांच के एंटी नारकोटिक्स सेल ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर ये कार्रवाई की गई है। उन्हें जानकारी मिली थी कि कंपनी में मेफेंड्रोन नाम की प्रतिबंधित दवा की निर्माण हो रहा है। अधिकारी ने बताया कि चार आरोपियों को मुंबई में गिरफ्तार किया गया है। जबकि एक व्यक्ति को पालघर के नालासोपारा से अरेस्ट किया गया। क्राइम ब्रांच का दावा है कि पिछले कुछ दिनों में नशीली दवाओं के खिलाफ की गई कार्रवाई में ये सबसे बड़ा एक्शन है। मेफेंड्रोन को 'म्याऊ म्याऊ' या एमडी के रूप में भी जाना जाता है। यह एक सिंथेटिक ड्रग है। यह नारकोटिक ड्रग्स एंड

साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित पदार्थ है। बता दें कि इस तरह की कार्रवाई डीआरआई की टीम ने गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर 20 सितंबर 2021

को किया था। यहां से 9000 करोड़ रुपये की ड्रग्स बरामद की गई थी। एजेंसी के अधिकारियों ने वहां से 2,988.22 किलोग्राम हेरोइन जब्त की थी। ड्रग्स की खेप का कनेक्शन आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा से था। दरअसल, पकड़ी गई नशे की खेप विजयवाड़ा की आशी ट्रेडिंग कंपनी के आयात किए गए पैकेज के अंदर छिपी हुई थी। कंपनी अफगानिस्तान से टैल्क पत्थरों को आयात करने का दावा करती है और उन्हें इरान के अब्बास पोर्ट से गुजरात की मुंद्रा पोर्ट भेजती है। विजयवाड़ा की कंपनी पर आरोप है कि वह कंधार में हसन हुसैन लिमिटेड से आयातित 'टैल्कम पाउडर' के नाम पर हेरोइन की तस्करी कर रही थी। इस री हाथों पकड़ लिया गया।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा, मैं पीएम मोदी से नहीं डरता हूं

भाजपा का आरोप, कांग्रेस डर तयों रही



नई दिल्ली। (एजेंसी)

मानसून सत्र के दौरान कुछ दिन पहले कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी संसद परिसर पहुंचे राहुल गुरुवार को संसद भवन को पहुंचे। संसद के गलियारों में तेज कदमों से

चल रहे राहुल का रौद्र रूप दिख रहा था। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी से मैं बिल्कुल नहीं डरता। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि सचचाई को नहीं दबाया जा सकता है। उन्होंने पीएम मोदी से लेकर अमित शाह पर हमला किया। मुंह पर मास्क लगाए गुस्से में दिख रहे राहुल गांधी से पूछा गया कि कांग्रेस के 5 अगस्त को महंगाई, बेरोजगारी और आवश्यक सामानों पर जीएसटी बढ़ाने के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर प्रशासन की सख्ती बरत रहा है। राहुल ने कहा, बढ़िया और करिए, सचचाई को बैरिकेड नहीं किया जा सकता है। गौरतलब है कि पुलिस ने कांग्रेस के प्रदर्शन से पहले कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी के आवास

के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी है। राहुल से पूछा गया कि कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल के पास प्रदर्शन नहीं करने को लेकर नोटिस दिया है, इसपर राहुल ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध करना हमारा अधिकार है। उन्होंने कहा कि देखते हैं क्या करना है। परमिशन नहीं दे रही है पुलिस ठीक है, रोकिए। इस बीच भाजपा के आरोपों का जवाब देकर उन्होंने कहा कि भागने की कोन बात कर रहा है। भागने की बात वहां कर रहे हैं। हम नरेंद्र मोदी से नहीं डरते हैं। कर लें जो करना है, कुछ फर्क नहीं पड़ता है। जो मेरा काम है, देश की रक्षा करना, लोकतंत्र की रक्षा करना, सद्भाव को बनाकर रखना, मैं इन तमाम कामों को

करता रहूंगा। चाहे ये लोग कुछ भी कर लें। दरअसल भाजपा प्रवक्ता सविता पात्रा ने कहा था कि कांग्रेस डर क्यों रही है। कांग्रेस पहले सत्याग्रह की बात कर रही थी और अब सत्याग्रह की जगह रण की बात कर रही है। उन्होंने कहा था कि रण होगा और न ही 'रन' होगा। देश का संविधान और कानून सभी के लिए बराबर है। उन्होंने कहा था कि देश के कानून के साथ युद्ध संभव नहीं है। कानून किसी को नहीं छोड़ता है। इसी के साथ उन्होंने कहा था कि सविता पात्रा ने कहा कि भ्रष्टाचार और रण दोनों नहीं हो सकता है। भ्रष्टाचार हुआ है तो पकड़े जाएं। भ्रष्टाचार हुआ है तो कानून के सामने पेश होना पड़ेगा।

राज्यसभा में हंगामे के बीच कुटुम्ब न्यायालय (संशोधन) विधेयक ध्वनिमत से पारित

नई दिल्ली । कुटुम्ब न्यायालय (संशोधन) विधेयक को गुरुवार को संसद की मंजूरी मिल गई। विधेयक संशोधन के हंगामे के बीच राज्यसभा ने विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा में यह विधेयक पहले ही पारित हो चुका है। विधेयक पर चर्चा का जवाब देकर विधि एवं न्याय मंत्री किरन रीजीजू ने हर राज्य में और हर जिले में परिवार अदालतों की स्थापना को समय की मांग बताया और कहा कि वर्तमान में इन अदालतों में 11 लाख से अधिक मामले लंबित हैं, जिनका समय पर निस्तारण जरूरी है। उन्होंने कहा कि कुटुम्ब न्यायालय प्रत्येक जिले में खुले इसके लिए वह राज्य सरकारों से बात

करने वाले हैं। कुटुम्ब न्यायालय (संशोधन) विधेयक, 2022 पर हुई चर्चा का जवाब देकर विधि एवं न्याय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाएं तब ही सार्थक होंगी जब परिवार सुखी होगा और उस उन योजनाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह विधेयक लंबित मामलों के समाधान में मददगार होगा। रीजीजू ने कहा कि बहुत जल्दी वे कुटुम्ब अदालतों के विषय की समीक्षा करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि 30 जुलाई को जिला न्यायाधीशों का सम्मेलन बुलाया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के प्रधान न्यायाधीश शामिल हुए। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में परिवार

अदालतों से जुड़े विषय रखे गए। "मैंने कहा कि परिवार अदालतों को प्राथमिकता दी जाए। कानूनी प्रक्रिया लंबी चलने पर बच्चे परेशान होते हैं। रीजीजू ने कहा कि देश में 7.15 परिवार अदालतें हैं। इस साल मई महीने तक इसमें 11.43 लाख मामले लंबित थे। उन्होंने कहा कि परिवार अदालतों के मामले को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि मामलों का निपटारा समय पर हो सके और सरकार अवसरंचना के लिए हरसंभव मदद कर रही है। रीजीजू ने कहा कि हर जिले में परिवार अदालतें स्थापित की जानी चाहिए और लंबित मामलों का जल्द निपटारा होना चाहिए ताकि मानसिक तकलीफ से

बाधा जा सके। मंत्री के जवाब के बाद सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को मंजूरी दे दी। लोकसभा पहले ही विधेयक को मंजूरी दे चुकी है। इसके पहले बीजू जनता दल के मुजीबुल्ला खान ने कहा, कानून में ऐसी कौन सी खामियां हैं कि तलाक की प्रक्रिया में लंबा समय लगता है और इसका खामियाजा बच्चे भुगतते हैं। खान ने मांग की कि ऐसा कानून भी लाया जाना चाहिए जिससे तलाक की प्रक्रिया आसान हो सके। वहीं वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सुभाषचंद्र बोस पिछले ने कहा कि लंबित मामलों का समय रहते निपटारा होना चाहिए चाहे वह मामले परिवार अदालतों में हों या अन्य अदालतों में। जनता दल

(यूनाइटेड) के रामनाथ ठाकुर ने विधेयक का समर्थन कहा कि देश के करीब 700 परिवार अदालतों में 11 लाख से अधिक मामलों का लंबित होना चिंताजनक है और यह सवाल उठता है कि इस हालात में न्याय कैसे मिलेगा। उन्होंने अदालतों में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने पर भी जोर दिया। राष्ट्रीय जनता दल के ए डी सिंह ने कहा कि परिवार अदालतों की स्थापना समय की मांग है। तेलुगु देशम पार्टी के कनकमेदला रवींद्र कुमार ने कहा कि परिवार अदालतों और अधीनस्थ अदालतों के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए और वहां मामलों के निपटारे की समय सीमा तय होना चाहिए।

जीवन ज्योत चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक कुंदन कुमार झा के उत्कृष्ट कार्य के लिए उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में युवा गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया !

युव विज्ञान वेलफेयर सोसाइटी द्वारा युवा गौरव पुरस्कार भारत देश के अलग-अलग राज्य में से सामाजिक कार्य कर रहे स्वयं सेवकों का सम्मान सहारनपुर के दिल्ली पब्लिक स्कूल के प्रेक्षागृह में किया गया जिसमें गुजरात, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, बिहार, झारखण्ड, तेलंगाना, जम्मू और काश्मीर एवं अन्य राज्यों के स्वयंसेवक सहारनपुर की पावन धरती पर पहुंचे थे, जिसमें सहारनपुर में मिनी भारत का नजारा देखने को मिला !

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद डूंगराख व लखनपाल शर्मा, विशिष्ट अतिथि विधायक डूंगरेंद्र कुमार नीम रामपुर महिहारन, अध् यक्षता आदेश सिसोदिया

प्राचार्य दिल्ली पब्लिक स्कूल सहारनपुर थे, कार्यक्रम सर्वप्रथम अतिथियों का स्वागत हुआ, गणेश वंदना के पश्चात सभी स्वयंसेवकों का सम्मान माननीय अतिथियों द्वारा किया गया, एवं सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा कुंदन कुमार झा द्वारा आगे भी और अच्छे से समाज कार्य करने हेतु प्रेरित किया, उन्होंने ने बताया की हमारे देश के युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा बहुत ही शक्तिशाली है। हम सभी को उम्मीद है कि आप अपने प्रयासों से देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। बता दें की उन्हें ऐसे कार्यक्रम में शामिल होना पसंद है। विभिन्न राज्यों से आए युवाओं को देख उन्हें ऊर्जा व प्रेरणा प्राप्त



होती है। उनका मानना है की ऐसे कार्यक्रम देश भर में होते रहने चाहिए ताकि युवा अपने-अपने विचार समाज के प्रति रखें जिससे एक नए भारत का निर्माण हो सके और इसमें सरकार को भी मदद करनी चाहिए। कुंदन कुमार झा को पहले भी कई राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

हर साल 1 लाख विशेषज्ञ डॉक्टर बनाने की तैयारी

नई दिल्ली । नीति आयोग, स्वास्थ्य मंत्रालय और वित्त मंत्रालय ने मिलकर एक योजना बनाई है। इस योजना के लागू होने पर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में पीजी की सीटें बढ़कर 1 लाख प्रतिवर्ष करने का प्रस्ताव है। वर्तमान में देश में 55000 सीटें पीजी की हैं। मनावांछित विषय नहीं मिलने के कारण इसमें काफी सीटें खाली रह जाती हैं। सरकार की नई योजना में एमबीबीएस कर चुके डॉक्टरों को अब पीजी कोर्स के लिए ज्यादा सीटें उपलब्ध होंगी। सरकार ने पीजी की सीटें बढ़ाने के लिए 100 सीटों से अधिक के मेडिकल कॉलेज, आर्मी पीएसयू के अस्पताल, ईएसआईसी के अस्पतालों को भी पीजी कोर्स के लिए शामिल किया जाएगा। प्रस्ताव में 2 साल का डिप्लोमा और 3 साल का डीएनबी कोर्स शामिल होगा। डिप्लोमा करने वाले डॉक्टर नान डीपिंग रहेंगे। नीति आयोग स्वास्थ्य मंत्रालय, नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन तथा वित्त मंत्रालय ने इस योजना का प्रस्ताव तैयार कर लिया है। जिसे जल्द ही लागू किया जाएगा। सरकार की मंशा है कि हर साल देश में कम से कम 1 लाख विशेषज्ञ डॉक्टरों को तैयार किया जा सके।

आजादी का अमृत महोत्सव मनावने का निर्णय पीएम और सरकार का : शाह



बेंगलुरु । संकल्प से सिद्ध सम्मेलन के तीसरे संस्करण में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा आजादी का अमृत महोत्सव मनावने का निर्णय प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार ने लिया है। इसके पीछे 3 उद्देश्य हैं । पहला, देश की नई पीढ़ी देशभक्ति से सरोबार होकर देश के विकास के साथ जुड़े और लाखों लोगों ने देश को आजादी दिलाने में अपना जो बलिदान दिया है, उनके इतिहास और बलिदान के साथ अपने आप को जोड़ सकें। दूसरा, 75 साल तक हमारे देश ने कई क्षेत्र में कई उपलब्धियां प्राप्त कीं, उन सभी को जनता तक पहुंचाना है। तीसरा, हमें संकल्प करना है कि जब शताब्दी मनाई जाएगी तब भारत कहां खड़ा होगा और दुनिया का भारत कैसे नेतृत्व करेगा? और साथ ही इस संकल्प को सिद्ध करने के लिए भी योजना बनानी है।

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में शासकीय रोजवेज बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घर्मपुर से चंडीगढ़ जा रही बस की अचानक टिप्पर के साथ जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें 13 लोग घायल हुए हैं। इस घटना में बस यात्रियों में चिख पुकार मच गई। दो गंभीर रूप से घायल यात्रियों को हमीरपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया

हिमाचल रोडवेज की बस दुर्घटनाग्रस्त 13 यात्री घायल, 3 गंभीर

बिलासपुर । हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में शासकीय रोजवेज बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घर्मपुर से चंडीगढ़ जा रही बस की अचानक टिप्पर के साथ जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें 13 लोग घायल हुए हैं। इस घटना में बस यात्रियों में चिख पुकार मच गई। दो गंभीर रूप से घायल यात्रियों को हमीरपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया

ने 108 एम्बुलेंस के जरिये घायलों को नागरिक अस्पताल घुमारवीं में प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया। यहां से गम्भीर रूप से घायल बस चालक व एक यात्री को हमीरपुर अस्पताल रेफर किया गया। एक बस यात्री की हालत ज्यादा गंभीर हो गई। उस यात्री को आईजीएमसी शिमला रेफर किया गया है। इस बस हादसे में घायल यात्री मंडी व बिलासपुर जिला से संबंधित हैं। उधर दुर्घटना की

केरल- पलक्कड़ से 8000 जिलेटिन की छड़ें बरामद

पलक्कड़ । केरल के पलक्कड़ जिले के आंगूर में गुरुवार को भारी मात्रा में जिलेटिन विस्फोटक जब्त किया गया है। सूत्रों के अनुसार जब्त किये गए विस्फोटकों में 40 बक्सों में रखी गयीं 8000 जिलेटिन की छड़ें हैं। ये विस्फोटक पलक्कड़ जिले के शोरनूर के वडनाकुंरिसी खदान के पास से बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने विस्फोटक बरामद किया। ये अनुमान लगाया जा रहा है कि जिलेटिन का इस्तेमाल खदानों में चट्टानों को तोड़ने के लिए किया जा रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर, इसकी जांच शुरू कर दी है। नवंबर 2000 में तमिलनाडु के एरोड से केरल के एर्नाकुलम जिले में मिनी वैन से भेजे जा रहे 7,500 डेटोनेटर और 7,000 जिलेटिन की छड़ें

बरामद की गयी थीं। विस्फोटक को टमाटर में छुपा कर ले जाया जा रहा था, जिसे पुलिस ने पलक्कड़ में बरामद किया था। ऐसा ही एक और मामला 2020 में सामने आया था, जब कालड़ी एर्नाकुलम में खदान विस्फोटक फटने से दो प्रवासी श्रमिकों की जान चली गयी थी। ये धमाका सुबह में था, जब प्रवासी मजदूर इमारत के अंदर सो रहे थे। पुलिस ने खदान मालिकों, महाप्रबंधकों और अन्य सहयोगियों को बिना परमिट विस्फोटक प्रयोग और संग्रहित करने में गिरफ्तार किया था। आरोपियों पर गैर इरादतन हत्या का भी मामला दर्ज किया गया। गुरुवार को पकड़े गए जिलेटिन का एक वीडियो विलप वायरल हो रहा है, जिसमें साफ दिख रहा है कि जिलेटिन की छड़ें हल्के गुलाबी रंग की प्लास्टिक की चादर में लपेटे ई हैं।

अमृत महोत्सव के बारे में कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए: संघ

नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता एवं अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने पूरे देश से मिलकर आजादी के अमृत महोत्सव को मनाने का आह्वान कर कहा है कि इससे जुड़े सभी कार्यक्रमों और आयोजनों को संघ का पूरा समर्थन है। आंबेकर ने कहा कि, आजादी के अमृत महोत्सव के बारे में कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। सभी लोगों को इस पर राजनीति छोड़कर आजादी के अमृत महोत्सव को मनाने पर ही पूरा ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

आजादी के अमृत महोत्सव को लेकर संघ के रुख को फिर से स्पष्ट करते हुए आंबेकर ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पिछले महीने 9 जुलाई को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह कहा था कि आजादी के अमृत महोत्सव के लिए भारत सरकार, राज्य सरकार, स्वयंसेवकों द्वारा चलाये जा रहे संगठनों के अलावा अन्य संगठनों के माध्यम से जो भी कार्यक्रम होंगे, जितने भी कार्यक्रम होंगे, उन सभी को संघ ने अपना समर्थन घोषित किया है। उन्होंने कहा कि संघ ने अपने सभी स्वयंसेवकों से आजादी के अमृत महोत्सव से जुड़े इस्तरह के सभी कार्यक्रमों और अभियानों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान भी किया है। उन्होंने आजादी के अमृत महोत्सव के बहाने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर राजनीतिक निशाना साधने की कोशिश करने वाले राजनीतिक दलों को सीधा जवाब देते हुए कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के बारे में कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए और ऐसा करने वाले सभी लोगों को इस पर राजनीति छोड़कर इस महोत्सव को मनाने पर ही पूरा ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

फडणवीस के बाद अब कैबिनेट का विस्तार में भी चौका सकती हैं भाजपा

मुंबई । महाराष्ट्र में सीएम के तौर पर एकनाथ शिंदे और डिटी सीएम देवेंद्र फडणवीस को शपथ लिए 1 माह से ज्यादा समय हो चुका है। लेकिन अभी तक कैबिनेट का विस्तार नहीं हुआ है। कहा जा रहा था कि मंत्री पदों को लेकर भाजपा और एकनाथ शिंदे गुट के बीच सहमति नहीं बन पा रही है। अब खबर है कि 7 अगस्त तक कैबिनेट का विस्तार हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक फिलहाल 15 से 16 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई जा सकती है। इसके बाद कुछ और मंत्री परियद का हिस्सा हो सकते हैं। कहा यह भी जा रहा है कि जिस तरह से भाजपा ने फडणवीस को डिटी सीएम बनाकर चौकाया था, उसी तरह इस

बार मंत्रियों के नाम पर भी चौका सकती है। भाजपा कोटे से 8 से 9 मंत्री बनने की संभावना है। इसमें 2 नाम चूँकाने वाले हैं, वे निर्दलीय विधायक रवि राणा और नारायण राणे के बेटे नीतेश राणे के हैं। रवि राणा अमरावती की सांसद नवनीत राणा के पति हैं और उद्धव ठाकरे के घर के बाहर हनुमान चालीसा पढ़ने के ऐलान पर विवादों में घिर गए थे। यही नहीं पत्नी नवनीत राणा के साथ उन्हें जेल तक जाना पड़ा था और करीब दो सप्ताह बाद बाहर आए थे। ऐसे में भाजपा की ओर से उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किया जाने से साफ है कि वह उद्धव ठाकरे को दर्द देने वाले नेताओं को प्रमुखता दे रही है। यही नहीं एक दौर में शिवसेना को बड़ी टूट के साथ छोड़ने वाले नारायण राणे के बेटे नीतेश राणे को भी मंत्री



बनाने की चर्चाएं जोंग पर हैं। इनदिनों 15 से 16 विधायकों के पद की संभावना है। इसतरह के संकेत हैं कि भाजपा के नौ और शिंदे समूह के सात लोग मंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। खास बात यह है कि राजभवन में इसकी तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। चंद्रकांत शेटिल, सुधीर मुनगटोवार, दादा भुसे, उदय सामंत जैसे नेताओं के नाम चर्चा में हैं। एक तरफ महाराष्ट्र में सत्ता संघर्ष सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है, तब दूसरी तरफ कैबिनेट विस्तार की तैयारियां भी जोंग पर हैं। फिलहाल जिन नामों की चर्चा चल रही है, उनमें चंद्रकांत शेटिल, सुधीर मुनगटोवार,

ईडी ने बेंगलुरु की कंपनी की 40 करोड़ की संपत्ति कुर्क करने का आदेश दिया

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बेंगलुरु की कंपनी के खिलाफ कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़ी धन शोधन जांच के सिलसिले में 40 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क करने का आदेश दिया है। कंपनी ने कहा कि धनशोधन रोधक अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कावेरी टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के आवासीय अपार्टमेंट, प्लॉट, कृषि भूमि और बैंक जमा को कुर्क करने का एक शुरुआती आदेश जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 40.14 करोड़ रुपये है। यह धन शोधन का मामला जुलाई, 2015 में बेंगलुरु में सीबीआई की प्रथम चरण शोधन शाखा द्वारा कंपनी और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी के बाद सामने आया है। ईडी ने कहा कि सीबीआई की प्राथमिकी देना बैंक के तत्कालीन उप-महाप्रबंधक (डीजीएम) द्वारा दायर एक शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी, जिसमें कंपनी और उसके निदेशकों द्वारा लिए गए ऋण के संबंध में बैंक के साथ धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। कंपनी और उसके निदेशकों ने उपकरण खरीदने के नाम पर तत्कालीन देना बैंक से 45 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। हालांकि, इसने कर्ज को अपनी सहयोगी और नियंत्रण वाली इकाइयों के जरिये इशर-उधर किया था। एजेंसी ने आरोप लगाया कि कंपनी के निदेशकों ने ऋण करने के लिए बैंक के साथ नकली और भ्रामक कर चालान और लॉरी रसीद आदि जमा की। उन्होंने कहा कि समूह की विभिन्न इकाइयों के खातों के माध्यम कर्ज की राशि को इशर-उधर किया गया। यहां तक कि कर्ज की राशि को प्रवर्तकों/निदेशकों के बचत खातों में भी डाला गया।

अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच फिर बढ़ा विवाद, कब्जा का दावा, 3 सैनिकों की मौत

मास्को। रूस ने बुधवार को अजरबैजान पर विवादित नागोर्नो-कराबाख क्षेत्र में संघर्ष विराम तोड़ने का आरोप लगाया है। बता दें कि इस संघर्ष में तीन सैनिकों की मौत हो गई है। रूस ने 2020 में इस क्षेत्र में लड़ाई के छह सप्ताह में 6,500 से अधिक लोगों की जान गंवाने के बाद युद्धविराम समझौते में मदद की थी। रूस ने अजरबैजानी और आर्मेनियाई प्रतिनिधियों के साथ स्थिति को स्थिर करने के लिए उपाय करने की कसम खाई थी। अजरबैजान ने संघर्ष के लिए आर्मेनिया को दोषी ठहराया है। अजरबैजान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, कराबाख सैनिकों ने लाचिन जिले में एक हमले में अपने एक सैनिक को मार डाला। बाद में, अजरबैजानी सेना ने दावा किया कि जवाबी कार्रवाई में, उसने इस क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है हालांकि, गैर-मान्यता प्राप्त नागोर्नो-कराबाख गणराज्य की सेना ने अजरबैजान पर युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया, जिसमें उसके दो सैनिकों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए हैं। आर्मेनिया और अजरबैजान ने नागोर्नो-कराबाख के क्षेत्र में 2020 और 1990 के दशक में दो युद्ध लड़े। युद्धविराम की निगरानी के लिए रूस ने करीब 2,000 शांति सैनिकों को तैनात किया हुआ है। इस महीने की शुरुआत में, आर्मेनिया विवादित क्षेत्र से सभी सैनिकों को वापस लेने पर सहमत हुआ था।

अमेरिकी सांसद जैकी वालोस्की की कार दुर्घटना में मौत, जो बाइडेन ने जताया दुःख

वाशिंगटन। अमेरिका के इंडियाना राज्य में एक सड़क दुर्घटना में रिपब्लिकन पार्टी की नेता एवं सांसद जैकी वालोस्की और उनके दो कर्मचारियों की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। रिपब्लिकन पार्टी की नेता जैकी वालोस्की अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में इंडियाना राज्य का प्रतिनिधित्व करती थीं। एक्टूवेट काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा कि यह दुर्घटना बुधवार अपराह्न करीब 12 बजकर 30 मिनट पर हुई, जब एक कार राज्य राजमार्ग पर अपनी लेन को पार कर गई और वालोस्की की एसयूवी से टकरा गई। अधिकारियों के मुताबिक एसयूवी में वालोस्की (58) के अलावा उनके दो कर्मचारी भी मौजूद थे। एसयूवी से टकराने वाली कार की महिला चालक की भी इस दुर्घटना में मौत हो गयी। वालोस्की अमेरिकी कांग्रेस की कई समितियों की सदस्य भी रही हैं। वह पहली बार 2012 में इंडियाना राज्य से निर्वाचित हुई थीं। वालोस्की के चीफ ऑफ स्टफ टिम कर्मिस ने एक बयान में कहा, 'वह अपने प्रभु ईसा मसीह के पास चली गयी हैं। कृपया उनके परिवार के लिए प्रार्थनाएं करें।'

पाकिस्तान: लाहौर में 1200 साल पुराने वाल्मिकी मंदिर का किया जाणगा जीर्णोद्धार

लाहौर। पाकिस्तान के लाहौर शहर में 1200 पुराने हिंदू मंदिर को जीर्णोद्धार किया जाएगा। इस मंदिर पर अविध कब्जा किया गया था जिस खाली करने के लिए लंबी लड़ाई लड़नी पड़ी। मूलक में अल्पसंख्यकों के पूजास्थलों की निगरानी करने वाली संघीय संस्था इवैयूई ट्रस्ट प्रोपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) ने लाहौर के मशहूर अनारकली बाजार के पास स्थित वाल्मिकी मंदिर का कब्जा पिछले महीने ईसाई परिवार से लिया था। लाहौर में कृष्ण मंदिर के अलावा वाल्मिकी मंदिर ही खुला रहता है। हिंदू धर्म अपना लेने का दावा करने वाला ईसाई परिवार पिछले दो दशकों से केवल वाल्मिकी जाति के हिंदुओं को मंदिर में पूजा करने दे रहा था। ईटीपीबी के प्रवक्ता आमीर हाशमी ने बताया कि आने वाले दिनों में मास्टर प्लान के तहत वाल्मिकी मंदिर का जीर्णोद्धार किया जाएगा। उन्होंने कहा, '100 से अधिक हिंदू, कुछ सिख और ईसाई नेता आज वाल्मिकी मंदिर में एकत्र हुए। हिंदुओं ने अपने धार्मिक अनुष्ठान किए और लंगर का आयोजन किया।'

द.कोरिया के शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगी नैसी पेलासी

सियोल। अमेरिकी संसद की अध्यक्ष नैसी पेलासी को द.कोरिया के शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगी और क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग तथा जलवायु संबंधी मुद्दों पर चर्चा करेंगी। इसके एक दिन पहले पेलासी ने चीन के कड़े विरोध के बावजूद ताइवान की यात्रा की थी, जो इस स्वशासन द्वीप पर लोकतंत्र की रक्षा के लिए अमेरिका की 'आडिम' प्रतिबद्धता को दिखाता है। पेलासी काग्रेस के अन्य सदस्यों के साथ दक्षिण कोरिया पहुंचीं। इससे पहले उन्होंने सिंगापुर, मलेशिया और ताइवान की यात्रा की। दक्षिण कोरिया के बाद वह जापान जाएंगी। पेलासी दक्षिण कोरियाई नेशनल असंबली के अध्यक्ष किम जिन घो तथा संसद के अन्य वरिष्ठ सदस्यों से मुलाकात करेंगी और क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग तथा जलवायु संबंधी मुद्दों पर बातचीत करेंगी। किम के कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। दक्षिण कोरिया के एक अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि पेलासी की अंतर-कोरियाई सीमा क्षेत्र की यात्रा करने की भी योजना है, जिस पर अमेरिका नीत संयुक्त राष्ट्र कमान और उत्तर कोरिया का नियंत्रण है।

चीन में किंडरगार्टन स्कूल पर हमले का संदिग्ध गिरफ्तार

बीजिंग। चीन के जियांग्शी प्रांत के किंडरगार्टन स्कूल पर हमला करने के आरोप में पुलिस ने 47 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। हमले में तीन लोगों की मौत हो गई थी और छह अन्य घायल हो गए थे। पुलिस के मुताबिक लुई शियाओहुई को करीब 10 बजकर 50 मिनट पर गिरफ्तार किया गया। किंडरगार्टन स्कूल पर बुधवार सुबह हमला हुआ था। पुलिस ने इस हमले में मारे गए लोगों के बारे में जानकारी नहीं दी है। रिपोर्ट के मुताबिक हमले में कम से कम एक बच्चे की मौत हुई है। गौरतलब है कि बीते कुछ वर्षों में चीन में स्कूलों पर हमले की घटनाएं बढ़ने के बाद सरकार ने स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

कनाडा में बेसबाल के आकार की ओलावृष्टि, गाडियों के शीशे टूटे

अल्बर्टा। कनाडा में पिछले दिनों भारी ओलावृष्टि से 10 से 15 मिनट तक तूफान के साथ आए बवंडर के बीच बड़े-बड़े अंगूर और बेसबाल के आकार के ओले गिरे, जिससे लोग दहशत में आ गए। इस दौरान कई गाडियों के शीशे चकनाचूर हो गए। ओलावृष्टि के दौरान कई यात्री जहां थे, वहीं रास्ते में फंसे रह गए। लोग इतने बड़े-बड़े ओले देखकर दम रह गए। लोगों ने इसकी तरसोरी और वीडियोज सोशल मीडिया पर साझा की है। मौसम विज्ञानियों ने इस घटना को लेकर चिंता जाहिर की है। जानकारी के मुताबिक कनाडा के एक पश्चिमी प्रांत अल्बर्टा में आए बवंडर के बाद ऐसी ओलावृष्टि हुई, जिसने लोगों को हैरान कर दिया। रायल कैनोडियन माउंटेन पुलिस (आरएसएमपी) ने कहा कि तूफान करीब 10 से 15 मिनट तक चला और करीब 34 वाहनों को नुकसान पहुंचा। कई लोगों को मामूली चोटें भी आई हैं। उन्होंने बताया कि बवंडर आया और अचानक बेसबाल के आकार के ओले गिरने लगे। इतने बड़े-बड़े ओलों को देखकर लोग घबरा गए और कई गाडियां आपस में टकरा गईं। दरअसल, लोग इतने बड़े आकार के ओलों को देखकर दहशत में आ गए। लोगों समझ ही नहीं पाए कि आखिर ये हो क्या रहा है। कुछ लोगों को लगा कि कोई बड़े-बड़े पत्थर मार रहा है। लोगों को जब तक समझ आया कि क्या हो रहा है, तब तक काफी नुकसान हो चुका था।

स्पेन में महिलाओं पर नुकीली सुई से हमले की घटनाएं बढ़ी

बारसिलोना। स्पेन में इन दिनों महिलाओं पर नुकीली सुई से हमले की घटनाएं बढ़ गई हैं। इसको लेकर महिलाओं में दहशत पैदा हो गई है। ऐसे हमले ज्यादातर भीड़-भाड़ वाली जगहों पर होते हैं। ब्रिटेन और फ्रांस में भी इसी तरह की घटनाएं हुई हैं। स्पेन की पुलिस भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर सिरिज से जुड़े हमलों की जांच कर रही है। पिछले कुछ हफ्तों में इस तरह की घटनाओं पुलिस में को रिपोर्ट किया गया है। वहीं सोशल मीडिया पर भी कई लोग इस हमले के बारे में लिख रहे हैं। रिपोर्ट किए गए मामलों में आशंका जताई जा रही है कि हमलावर महिलाओं पर यौन हमला करने के लिए सिरिज में नशीला पदार्थ मिला कर हमला कर रहा है। हालांकि, अब तक दवाओं या अन्य जहरीले उत्पादों के कोई निशान नहीं मिले हैं। इसके साथ ही सुई हमले के बाद किसी तरह की यौन हिंसा का मामला भी सामने नहीं आया है। पिछले कुछ हफ्तों में पुलिस ने केटालोनिया में 23 ऐसे मामले दर्ज किए हैं। ये मामले ज्यादातर पर्यटक शहर लोरेट डी मार और बार्सिलोना में और 12 बारक में दर्ज किए गए हैं। बारक पुलिस के मुताबिक हमलावर ज्यादातर युवा महिलाओं को टारगेट करते हैं। हमले का पैटर्न लगभग एक समान है। आमतौर पर एक युवा महिला जब पार्टी से बाहर जा रही होती है, तब उस पर यह हमला होता है। हमले में सुई हाथ या पैर में चुभती है और इसके प्रभाव से महिला को सिर में चक्कर आते हैं या फिर नींद आ जाती है।



नोमपेह में आसियान देशों के विदेश मंत्री एकसाथ नजर आये।

नैसी पेलासी की ताइवान यात्रा से गुस्साया चीन, ताइवान बॉर्डर पर जमकर मिसाइलें दागी

बीजिंग। अमेरिकी सीनेटर नैसी पेलासी की ताइवान यात्रा से चीन काफी गुस्से में है। चीनी सैनिकों ने ताइवान बॉर्डर पर जमकर मिसाइलें दागी हैं। सैन्य अभ्यास के दौरान ताइवान के आसपास पानी में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ताइपे के रक्षा मंत्रालय ने इस क्षेत्रीय शांति को कमजोर करने वाली तर्कहीन कार्रवाई करार दिया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने गुरुवार की दोपहर लगभग 13:56 बजे पूर्वोत्तर और दक्षिण-पश्चिमी ताइवान के आसपास के क्षेत्रों में डोंगफेंग श्रृंखला की कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। चीनी इस्टर्न थिएटर कमांड ने कहा कि उसने नियोजित अभ्यास के तहत गुरुवार को ताइवान के पूर्वी तट के पानी पर पारंपरिक मिसाइलों की कई फायरिंग पूरी कर ली है। इस्टर्न थिएटर कमांड के प्रवक्ता ने कहा कि गोलीबारी पूरी होने के बाद संबंधित समुद्री और हवाई क्षेत्र पर नियंत्रण हटा लिया गया है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि कंबोडिया में आसियान कार्यक्रमों के इतर चीन के विदेश मंत्री वांग यी और उनके जापानी समकक्ष के बीच एक बैठक रद्द कर दी गई है। एक नियमित मीडिया ब्रीफिंग में मंत्रालय के प्रवक्ता हुआ चुन्यिंग ने कहा कि ताइवान के बारे में सात देशों के समूह द्वारा दिए गए संयुक्त बयान से चीनी पक्ष बहुत नाराज है। आपको बता दें कि जापान सहित जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों ने बुधवार को चीन से ताइवान जलडमरूमध्य के आसपास तनाव को शांतिपूर्ण तरीके से हल करने का आह्वान किया था।

आतंकवाद पर विशेष बैठक में संरा सुरक्षा परिषद के सदस्यों की मेजबानी करेगा भारत

जिनेवा (एजेंसी)।

भारत आतंकवाद के खिलाफ 29 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 देशों के राजनयिकों की एक विशेष बैठक की मेजबानी करेगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत का अस्थायी सदस्य के रूप में दो साल का कार्यकाल इस साल दिसंबर में समाप्त होने वाला है। दिसंबर में देश संयुक्त राष्ट्र की इस शक्तिशाली निकाय की अध्यक्षता भी करेगा। भारत 2022 के लिए सुरक्षा परिषद की आतंकवाद रोधी समिति की अध्यक्षता करेगा और आतंकवाद के खिलाफ अक्टूबर में अमेरिका, चीन और रूस सहित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 देशों के राजनयिकों की एक विशेष बैठक की मेजबानी करेगा। सुरक्षा परिषद के वर्तमान सदस्यों में अल्बानिया, ब्राजिल, गैबॉन, घाना, भारत,



आयरलैंड, केन्या, मैक्सिको, नॉर्वे और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ-साथ पांच स्थायी सदस्य चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं। जानकारी के अनुसार 21 नई और उभरती प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग से उत्पन्न खतरे को ध्यान में रखते हुए, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद

की आतंकवाद रोधी समिति (सीटीसी) ने इस विषय पर 29 अक्टूबर, 2022 को भारत में अपने कार्यकारी निदेशालय (सीटीईडी) के सहयोग से एक विशेष बैठक आयोजित करने का निर्णय किया है। नकारी के अनुसार विशेष बैठक में खासकर तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित इस्तेमाल के बढ़ते खतरे, अर्थात इंटरनेट तथा सोशल मीडिया, आतंकवाद के वित्त पोषण, और मानव रहित हवाई प्रणाली (यूएसएस) में इसके इस्तेमाल पर चर्चा की जाएगी।

जवाहिरी की मौत पर तालिबान ने तोड़ी चुप्पी, कहा-अफगानिस्तान में अल-कायदा सरगना की मौजूदगी से थे अनजान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

काबुल में अल-कायदा प्रमुख के अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे जाने के बाद अपनी चुप्पी तोड़ते हुए तालिबान ने बहुसंख्यतावादी को कहा कि उसे अयमान अल-जवाहिरी की निर्णय किया है। नकारी के अनुसार विशेष बैठक में खासकर तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित इस्तेमाल के बढ़ते खतरे, अर्थात इंटरनेट तथा सोशल मीडिया, आतंकवाद के वित्त पोषण, और मानव रहित हवाई प्रणाली (यूएसएस) में इसके इस्तेमाल पर चर्चा की जाएगी।

कड़ी पाबंदियों के बाद भी स्पेस में सैटेलाइट भेज रहा है ईरान, रूस बन रहा मददगार

मास्को (एजेंसी)।

परमाणु समझौता रद्द होने के बाद कड़ी पाबंदियों के बीच ईरान का मददगार बनकर रूस सहयोग कर रहा है। रूस की स्पेस एजेंसी रोसकोस्मोस अगले हफ्ते ईरान की एक सैटेलाइट लॉन्च करने जा रही है। रोस्कोस्मोस अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि अंतरिक्ष यान, 'खय्याम' नामक एक रिमोट सेंसिंग उपग्रह 9 अगस्त को पड़ोसी देश कजाकिस्तान के बैकनूर कोस्मोड्रोम से सोयुज-2.1 ती रॉकेट द्वारा कक्षा में भेजा जाएगा। रूस ने दक्षिणी कजाकिस्तान में एक स्पेसपोर्ट को लीज पर लिया है। खबर के अनुसार ईरान के इस अर्थ ऑब्सेंवेशन उपग्रह का नाम प्रसिद्ध फारसी पॉलीमैथ उमर खय्याम के नाम पर रखा गया है, जो गणित, खगोल विज्ञान, दर्शन और कविता के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए विश्व स्तर पर जाने जाते हैं। यह सैटेलाइट कथित तौर पर ईरान की कृषि उत्पादकता में सुधार, जल संसाधनों की बेहतर



निगरानी, प्राकृतिक आपदाओं, निर्माणधीन विकास परियोजनाओं की निगरानी और देश की सीमाओं पर कड़ी नजर भी रखेगा।

अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद ईरान ने बीते कुछ वर्षों में प्रौद्योगिकी विज्ञान के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है। इस साल की शुरुआत में, ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स की एरोस्पेस फोर्स ने अपने पहले सैन्य उपग्रह के लॉन्च के लगभग दो साल बाद, अपने दूसरे उपग्रह नूर-2 को लोअर अर्थ ऑर्बिट (लियो) में लॉन्च किया था। ईरानी वैज्ञानिकों के अनुसार नूर-2 उपग्रह से ईरान में कई सैन्य और नागरिक मिशनों को आंजाम देने में सहायता हासिल होगी।

अलकायदा सरगना पर सीक्रेट ऑपरेशन को लेकर बड़ा दावा, यूएस स्ट्राइक में हकानी परिवार के सदस्य भी मारे गए

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

अल-कायदा नेता अयमान अल-जवाहिरी 2 अगस्त को अफगानिस्तान में अमेरिका द्वारा ड्रोन हमले में मारा गया था। लेकिन अब इसको लेकर अफगान राजदूत की तरफ से बहुत बड़ा दावा किया गया है। ताजिकिस्तान में अफगान दूत राजदूत मोहम्मद जहरी अघबर ने कहा कि हकानी के परिवार के सदस्य भी अमेरिकी स्ट्राइक में मारे गए। बता दें कि हकानी नेटवर्क जलालुद्दीन हकानी द्वारा स्थापित एक इस्लामी आतंकवादी संगठन है। राजदूत मोहम्मद जहरी अघबर ने इंडिया टुडे को बताया कि

महत्वपूर्ण है कि तालिबान के संरक्षण में अफगानिस्तान में आतंकवाद बढ़ रहे हैं। अल-कायदा नेताओं के ठिकाने का खुलासा करने में अफगानिस्तान की सलिसता के बारे में बोलते हुए अफगान दूत ने कहा कि चूंकि अमेरिका के पाकिस्तान के साथ बहुत विविध संबंध हैं, इसलिए वह अफगानिस्तान के भीतर बहुत सी चीजों तक आसानी से पहुंच सकता है। राजदूत ने कहा कि पाकिस्तान अमेरिका का रणनीतिक साझेदार है। उन समूहों की सराहना करें जिन्होंने अमेरिका को जवाहिरी के ठिकाने की जानकारी दी। इसने तालिबान का दोषी ठहराया है।

इस सप्ताह के अंत में अफगानिस्तान में एक अमेरिकी ड्रोन हमले ने अयमान अल-जवाहिरी को ठेर कर दिया गया। जवाहिरी वही शख्स था जिसने ओसामा बिन लादेन को अमेरिका पर 9/11 के हमलों की साजिश रचने में मदद की थी। 21 साल पहले आतंकी संगठन अलकायदा ने अमेरिका पर खोफनाक हमला किया था। जिससे कम से कम तीन हजार लोगों की मौत हो गई। जिसे देख पूरी दुनिया हैरान रह गई। 9/11 के हमलों के बाद के दो दशकों में, वाशिंगटन ने हमलों के अपराधियों की तलाश की और उन्हें दंडित



किया। 9/11 के हमलों के पीछे एक और मास्टरमाइंड अयमान अल-जवाहिरी था। मरिकी खुफिया विभाग की निगाहें भी जवाहिरी को ही टूट रही थीं। खुफिया विभाग को पता चला कि वह अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के उपनगरीय इलाके में है। 31 जुलाई की सुबह एक ऑपरेशन शुरू किया। ड्रोन हमले में जवाहिरी मारा गया।

सुविचार

बाधाएं दरअसल भी भयावह चीजें हैं, जिन पर आपका ध्यान उस समय जाता है जब आप की नजर लक्ष्य से हट जाती है। हेनरी फोर्ड

संपादकीय

भारत वया पाकिस्तान की मदद करे?

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

श्रीलंका के प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंह और मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने भारत के प्रति जिन शब्दों में आभार व्यक्त किया है, वैसे कर्णाप्रिय शब्द किसी पड़ोसी देश के नेता शायद ही कभी बोलते हैं। वया ही अच्छा हो कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और नेपाल के शीर्ष नेता भी भारत के लिए वैसे ही शब्दों का प्रयोग करें। यह बात मैंने एक भाषण में कही तो कुछ श्रोताओं ने मुझे पूछा कि वया पाकिस्तान भी कभी भारत के लिए इतने आदरपूर्ण शब्दों का इस्तेमाल कर सकता है? श्रीलंका और मालदीव, ये दोनों हमारे पड़ोसी देश भयंकर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। ऐसे में भारत ने इन दोनों देशों को अनाज, दवाइयों और डॉलरों से पाट दिया है। ये दोनों देश भारत की मदद के बिना अराजकता के दौर में प्रवेश करनेवाले ही थे। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने अपनी संसद को दिए पहले संबोधन में भारत का नाम लेकर कहा कि भारत ने श्रीलंका को जीवन-दान किया है। भारत ने श्रीलंका को 4 बिलियन डॉलर तथा अन्य कहीं सहूलियतें इधर दी हैं जबकि चीन ने भारत के मुकाबले आधी मदद भी नहीं की है और वह श्रीलंका को अपना सामरिक अड्डा बनाने पर तुला हुआ है। इसी तरह पिछले कुछ वर्षों में मालदीव के कुछ नेताओं को अपना बालबच्चा बनाकर चीन ने उसके सामने कई सुविधियां लटका दी थीं लेकिन इसी हफ्ते मालदीव के राष्ट्रपति सोलेह की भारत-यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच छह समझौतों पर दस्तखत हुए। सोलिह ने कोरोना-काल में भारत द्वारा भेजी गई दवाइयों के लिए भारत के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने हिंद महासागर क्षेत्र में आतंकवाद और राष्ट्रों के उस पार से होनेवाले अपराधों के विरुद्ध भारत के साथ खुला सहयोग करने की बात कही है। बिना बोले ही उन्होंने सब कुछ कह दिया है। भारत की मदद से सैकड़ों करोड़ रु. के कई निर्माण-कार्यों की योजना भी बनी है। भारत ने मालदीव को अनेक सामरिक संसाधन भी भेंट किए हैं। अब प्रश्न यही है कि वया भारत ऐसे ही लाभदायक काम पाकिस्तान के लिए भी कर सकता है? किसी से भी आप यह प्रश्न पूछें तो उसका प्रश्न यही होगा कि आपका दिमाग तो ठीक है? पाकिस्तान का बस चले तो वह भारत का ही समूल नाश कर दे। यह बात मोटे तौर पर ठीक लगती है लेकिन अभी-अभी अल-कायदा के सरगना जवाहिरि के खत्म में पाकिस्तान का जो सक्रिय सहयोग रहा और उसामा बिन लादेन के बारे में भी उसकी नीति यही रही, इससे वया सिद्ध होता है? यही कि मजबूरी का नाम महात्मा गांधी। जब आसिफ जरदारी राष्ट्रपति थे तो मैंने फोन करके पूछा कि आपके भयंकर आर्थिक संकट में वया हम आपको कुछ मदद दे तो आप स्वीकार कर लेंगे? उससे आपकी सीट को खतरा तो नहीं हो जाएगा? उनकी तरफ से हर्ष और आश्चर्य दोनों व्यक्त किए गए लेकिन हमारे प्रधानमंत्री मनमोहनसिंहजी की हिम्मत नहीं पड़ी। यदि नरेन्द्र मोदी इस समय शाहबाज शरीफ को वसा ही इशारा करके देखें तो शायद कोई चमत्कार हो जाए। भारत-पाक संबंधों में अपूर्व सुधार के द्वार खुल सकते हैं। (लेखक, भारतीय विदेश नीति परिषद के अध्यक्ष हैं)

तबादलों के अनुभव से मिले नये सबक

गुरुचन जगत

वर्ष 1973 की गर्मियों में मेरी नियुक्ति बटिंडा में बतौर एसएसपी हुई। स्थानांतरण की इस खबर को मैंने कुछ ऊहापोह के साथ लिया क्योंकि मैं बहुत छोटे से जिला, कपूरथला से निकलकर विशालकाय बटिंडा जिला मंडल का कामकाज संभालने जा रहा था। जैसे ही हमने बटिंडा की ओर रवानगी की तो फरीदकोट से परे परिदृश्य बदलने लगा। सड़क के दोनों ओर रेत के टिबू देखी देने लगे। कहीं-कहीं ऊंटों पर सवार या साथ चले हुए लोग थे, जो हथियार और कारतूस जड़ी पट्टी से लैस थे। यह हम कहां आ गए और अनुभव कैसा रहेगा? ऐसा मंजर मैंने पहले कभी नहीं देखा था। बाद में मुझे पता चला कि ये बंदूकें अकारण नहीं हैं और इन्हें 'मालवे का गहना' कहा जाता है। नए आए व्यक्ति के लिए बटिंडा एक ऐसा क्षेत्र है जिसने सदियों तक युद्ध देखा है। पुराने शहर में बना किला मुबारक इन लड़ाइयों का गवाह है। इस दुर्ग में गजनी, गौरी, पृथ्वीराज चौहान, रजिया सुल्तान और बहुत से राजा-रानियां देखी हैं। सिख इतिहास में भी गुरुसर और मुक्तसर की लड़ाई इस क्षेत्र की बख्तवती है। मुद्की और फिरोजशाह के युद्ध एंगलो-सिख लड़ाई में प्रमुख युद्ध हैं। गिनाते बैठें तो इनकी सूची बहुत लंबी है। इस इलाके में लोगों और राजनेताओं की एक बड़ी मांग बंदूक का लाइसेंस पाने की रही है। चाहे इसकी एवज में एक बांघ या टांग क्यों न देनी पड़े। बंदूक इनके लिए गहना है- हाथ में बंदूक, सीने पर तिरछी पट्टी में सजे कारतूस और अकड़कर चलना, अन्यत्र दुर्लभ द्रव्य थे। जब मुझे मिलने वाले आने शुरू हुए तो मैंने उनकी बोली भी कुछ अलहदा ढंग की पाई, जिसे समझने के लिए कई मर्ताब सहायकों की जरूरत पड़ती थी। स्थानीय संस्कृति को समझने में कुछ समय लगा। एक बार एक विधायक महोदय आए और मुझे मानसा में हुई हत्या के बारे में बताया, जिसकी जांच वे किसी वरिष्ठ अफसर से करवाना चाहते थे। मैं उनकी बताई तपसील भूल गया सो दरियाफत के लिए वहां के एसएसपी को फोन लगाया। अब यहां एक नई मुश्किल पैदा हुई क्योंकि बीते सप्ताह सात हत्याएं हुई थीं। मैं सत्र रह गया क्योंकि कपूरथला में सालभर में एक या दो हत्या की वारदात होती थी। फिर हर जानकारी को बहुत सावधानी से सहेजने लगा, क्योंकि ज्यादातर मांग हत्या की जांच फिर से करवाने की होती थी। इससे भ्रष्टाचार का अपना एक चक्र बनता है और कैसे

कमजोर होता है। एक बार एक ग्रामीण हत्या की जांच को लेकर शिकायत करने आ गया। मैंने कहा यदि उसे एसएसपी की जांच से तसल्ली नहीं है तो मामला डीएसपी को सौंप दूं। उसका जबाब आया 'थाना गांठ लिया है' यानी जांच वही किसी और से करवाई जाए। मैं सिर खुजाता रह गया पर आगे कुरेदने पर अहसास हुआ कि विरोधियों ने डीएसपी समेत सारी स्थानीय पुलिस गांठ रखी है। मैं असमंजस में था क्योंकि एक ओर मुझे उसकी कही पर यकीन था और ठीक इसी वक्त अफसरों को लेकर अपना मन नहीं बना पा रहा था। एक ही रास्ता बचता था कि मामला एसपी रैंक के अफसर को सौंपा जाए और यदि फिर भी बात न बने तो सीआईडी को। बाद में मुझे पता चला कि हत्या के मामलों में, योजनाबद्ध वध करने से पहले भारी पैसा पुलिस वालों को चढ़ा दिया जाता है। जांच शुरूआत से ही सीधे वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपने से इस समस्या से काफी हद तक पार पा लिया गया। मामले पर नजदीकी निगरानी बनाकर, जांच में वरिष्ठ अधिकारी शामिल कर और शिकायतकर्ताओं से सम्पर्क बनाकर हम इस अलामत से निबट पाए। शिकायतकर्ता भी खेल करते हैं और उन्हें प्राथमिकी में वास्तविक आरोपियों के अलावा अन्य लोगों का नाम जोड़ने की आदत है ताकि पूरे परिवार को मुकद्दमेबाजी में घसीट सकें। झूठ में से सच को सावधानी से छंटकर अलग करना पड़ता है क्योंकि जैसे ही किसी बेगुनाह का नाम अभियोगपत्र से हटाया नहीं कि पुलिस पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने शुरू। फिर भी, यदि पुलिस की तपतीश न्यायोचित हो तो वे आरोप खुद-ब-खुद खत्म हो जाते क्योंकि इलाके के लोगों को सच का पता होता था। हत्या का आम कारण बदला लेना था। दुश्मनी पुष्ट-दर-पुष्ट चलती है और 'अपराध का बदला अपराध' वाली रीत निरंतर चलती रहती है। माफ कर देना और दया का गुण नगण्य था। मुझे एक मामला याद आ रहा है, जब लगभग एक 20 वर्षीय युवा ने थाने पहुंचकर अपना गुनाह कुल्लू किया। मैंने इसके पीछे कारण पूछा तो उसका जवाब था कि जब पैदा होने वाला था तो उसके पिता को मृतक ने मार डाला था और बड़े होने तक उसकी मां की एक ही मांग थी- अपने बाप का बदला लेना। यह बात उसके मन में गहरे ढंग में और पहला मौका मिलते ही उसने करतूत कर डाली- आपकी जानकारी के लिए, यह है मालवा। फिर एक अन्य बड़ी समस्या थी, नहरों में कट लगाकर पानी खींच लेना, जिससे विभिन्न पक्षों के बीच लड़ाई और हत्या तक की नौबत बनती। दोआबा

के बरबस, वहां सिंचाई मुख्यतः नहरों के मार्फत होती है और क्षेत्रवार पानी छोड़े जाने का दिन और समय मुकर्रर होता है। बहुत दफा किसी का नंबर रात को आता, लेकिन जल धारा में ऊपर वाले लोग ज्यादा पानी खींचने के वास्ते अपनी वेध बारी आने से पहले नहरी तट में कट लगा पानी मड़ लेते, इससे निचली तरफ के लोगों को जल से महरूम होना पड़ता। यह कारक लड़ाइयों और हत्याओं में तब्दील होता। अपराध-डायरी में 'नहर-कट' के मामलों के लिए बाकायदा अलहदा से प्रकोष्ठ बना होता। इस विषय पर मुझे तत्कालीन डीआईजी चौधरी राम सिंह ने स्पष्ट और विस्तृत आदेश दे रखे थे। इन जैसे बहुत अनुभवी वरिष्ठ अफसरों से सीखने की प्रक्रिया सतत थी और यहां मुझे एक रुकवा याद आ रहा है। दिवाली से दो दिन पहले, फिरोजपुर रेंज के डीआईजी (दिवंगत सीके साहनी जो बाद में पंजाब के पुलिस महानिदेशक बने) ने मुझे पूछा कि दिवाली शांतिपूर्ण रहे, इसके लेकर मेरी कार्ययोजना क्या है। उन्होंने सलाह दी कि दिवाली वाले दिन सुबह से ही काम पर लगे और जिले के सबसे दूरस्थ थाना बोहा, जोकि बटिंडा शहर से लगभग 200 किलोमीटर दूर है, वहां जाओ। मुझे वहां यह सुनिश्चित करने के लिए छापामारना था कि वया गश्ती तल भजे गए या नहीं। जाहिर था जैसे ही मैं पहले थाने पहुंचा, उन्होंने आगे वालों को आगाह कर दिया, नतीजन कहीं भी कांताही नहीं पाई गयी। लेकिन इस सारी मशकत का प्रयोजन भी यही था कि सब चौकस होकर काम पर लगे और झूटी निभाएं। रास्ते के लिए मैं अपने साथ सैंडविच लेकर चला था इसलिए कहीं रुकना नहीं पड़ा। धूल जब सिंगल लेन सड़कों पर सैकड़ों किलोमीटर का सफर तय कर जब मैं देर शाम को वापस पहुंचा तो मेरे लिए डीआईजी साहब का दिन का आखिरी निर्देश बाट जोह रहा था कि यह जांच करू कि कहीं संतरी ने दिवाली की 'मिठाई' तो स्वीकार नहीं की। मुझे जवाब में न मिलने पर तसल्ली हुई। अगले दिन, मुझे पता चला कि दिवाली पर हुई हत्याओं की संख्या पिछले साल के मुकाबले इस बार 80 फीसदी कम रही। ऐसे बहुत से किस्से सुनाने को हैं, सभी वास्तविक, यह समय व्यावसायिक पहलू, बोली का प्रारूप, हाव-भाव और जिंदगी जीने के अलग अंदाज के बारे में जानने-सीखने में काफी अनुभव भरा रहा। दोआबा और माझा के मुकाबले मालवा के अधिकांश लोग प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति आदरपूर्ण भाव रखते थे और कभी भी काम की खातिर घर पर नहीं आए।

संकल्प से सिद्धि के बेमिसाल आठ साल

- डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

संकल्प से सिद्धि की दृष्टि से मोदी सरकार के आठ साल बेमिसाल रहे हैं। यह सरकार अपने संकल्प के अनुरूप गरीबों के प्रति समर्पित रही है। अर्थिक स्वावलंबन का अभियान चलाया गया। गरीबों के जीवनस्तर को ऊपर उठाने के प्रयास किए गए। मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के लिए अनेक योजनाएं क्रियान्वित की गईं। पद्म सम्मानों का अभूतपूर्व अध्याय शुरू हुआ। नरेन्द्र मोदी दो बार राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार चयन का अवसर मिला। दोनों बार उन्होंने समाज के वंचित वर्ग को सम्मानित किया। पहले रामनाथ कोविंद और वनवासी समुदाय की द्रौपदी मुर्मू को देश के सर्वोच्च पद पर पहुंचाया। रामनाथ कोविंद के सम्मान में आयोजित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रात्रि भोज में इन आठ सालों की झलक दिखाई दी। भोज में मौजूद पद्म पुरस्कार विजेताओं, आदिवासी समुदाय के नेताओं और अन्य लोगों का प्रधानमंत्री ने स्वागत किया। ऐसे रात्रिभोज में सिर्फ मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों, नौकरशाहों और दिल्ली में सत्ता के गलियारों के इर्द-गिर्द रहने वाले लोगों और मशहूर हस्तियों को ही बुलाने की पुरानी परम्परा का मोदी ने पालन नहीं किया। इसमें अपने सामाजिक संकल्प के अनुरूप सुधार किया। समारोह में वनवासी और वंचित समुदाय के लोगों को सम्मिलित होने का अवसर मिला। मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान आयोजित भोज में जनजातीय समाज को महत्व दिया। स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समाज के उपेक्षित प्रसंगों को उजागर किया। प्राय-एसे लोगों को यह पुरस्कार मिलता रहा है, जिनका योगदान प्रत्यक्ष दिखाई देता है। इसमें कुछ भी अनुचित नहीं है। लेकिन केंद्र की मोदी सरकार ने इस संबंध में एक नायाब कदम बढ़ाया। यह उनके कुछ नया करने की इच्छाशक्ति का प्रमाण भी है। इसके अंतर्गत बुनियाद बन कर समाज सेवा करने वालों को सम्मानित

करने का निर्णय किया गया। भवन की बुनियाद दिखाई नहीं देती। लेकिन विशाल महलों, अड्डालिकाओं का अस्तित्व उसी पर निर्भर करता है। बावजूद इसके लोग सामने दिखने वाले भवन की प्रशंसा करते हैं। बुनियाद की चर्चा भी नहीं होती। ऐसे ही समाज में बहुत से लोगों ने अपना जीवन लगा दिया, लेकिन वह खुद नींव की तरह ही बने रहे। पद, वैभव, यश की कोई कामना नहीं की। पुरस्कार या सम्मान देने वालों की भी उनपर नजर नहीं पड़ी। नरेन्द्र मोदी ने नींव पर भी ध्यान दिया। अनेक लोग दिखाई दिए। इनके मन में किसी पुरस्कार की रंचमात्र भी इच्छा नहीं थी। वह इन सीमित विचारों से बहुत आगे निकल चुके थे। ऐसे अनेक लोग इस सरकार में पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किए गए। इसमें गुमनाम समाजसेवकों, कलाकारों आदि को भी शामिल किया गया। इस प्रकार यह प्रतिष्ठित पुरस्कार गांव ही नहीं वनवासी क्षेत्रों तक पहुंच गया। इस बार के सम्मान समारोह में अद्भुत दृश्य दिखाई दिए। अक्सर चित्र भी अपने में बहुत कुछ कह जाते हैं। शायद यही कारण रहा होगा कि मूल संविधान में अनेक चित्र दिए गए थे। इनकी प्रेरणा यह थी कि शासन को आमजन के प्रति समर्पित होना चाहिए। समय के साथ ये चित्र तो विलुप्त हो गए। फिर भी शीर्ष संवैधानिक पदों से संबंधित कतिपय चित्र प्रभावित करते हैं। पिछले कुछ ही दिनों में ऐसे ही दो चित्र प्रभावित करने वाले थे। पहला वह जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रयागराज कुंभ में सफाई कर्मियों के पैर धो रहे हैं, दूसरा वह जिसमें तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द पद्म पुरस्कार प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने सम्मान देते हुए एक समाजसेवी महिला के सामने सिर झुका दिया। इस बुजुर्ग महिला ने उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। इस चित्र पर विचार करते हैं तो एक नया अध्याय उभरता है। इनमें से कोई पहाड़ तोड़ कर अकेले ही सड़क बनाता रहा। कड़यों ने गांवों में हजारों जल संयंत्राएँ निर्मित कीं। शिव गंगा, हलमा जैसे भगीरथी संघर्ष से सूखे खेतों को पानी पहुंचाया।



पद्मश्री हलधर नाग भी प्रधानमंत्री के इस भोज में शामिल हुए थे। उनके पास वर्तमान में तीन जोड़ी कपड़े, एक टूटी रबड़ की चप्पल, एक बिन कमानी का चश्मा और जमा पूंजी सात से बीस रुपयें हैं। पद्मश्री सम्मान की सूचना मिली तो उन्होंने जवाब भेजा कि साहब नई दिल्ली आने के पैसे नहीं हैं। कृपया पुरस्कार डाक से भिजवा दें। कहने में गुरेज नहीं कि मोदी सरकार ऐसे लोगों के द्वार तक पहुंच रही है। सम्मान दे रही है। यह संकल्प सिद्धि का नया भारत है। इन नये भारत के नायक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं। (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज के कार्टून



जिंदगी

आचार्य रजनीश ओशो/ आज तक का समाज दुख से भरा हुआ समाज है, उसकी ईंट ही दुख की है, उसकी बुनियाद ही दुख की है। जब दुखी समाज होगा तो समाज में हिंसा होगी क्योंकि दुखी आदमी हिंसा करेगा। जब समाज दुखी होगा और जीवन दुखी होगा तो आदमी क्रोध होगा, दुखी आदमी क्रोध करेगा। और जब जिंदगी उदास होगी, दुखी होगी, तो युद्ध होगा, संघर्ष होगा, घृणा होगी। दुख सब चीज का मूल उद्गम है। यदि नये समाज को जन्म देना हो तो दुख की ईंटों को हटा कर सुख की ईंटें रखनी जरूरी हैं, तो वे तभी रखी जा सकती हैं, जब हम जीवन के सब सुखों को सहज स्वीकार कर लें और सब सुखों को सहज निमित्तग्रह्य संकेतें। जिंदगी का अपना सीढ़ी है, मृत्यु का अपना। जो देखने में समर्थ हो जाता है वह सब चीजों से सौंदर्य और सब चीजों से सुख पाना शुरू कर देता है। लेकिन यह क्यों भूल हो गई कि आदमी इतना उदास और दुखी क्यों हमने निर्मित किया? यह भूल इसलिए हो गई कि हम शरीर के शत्रु हैं। इंद्रियों के दुश्मन हैं। इंद्रियों की दुश्मनी की जरूरत नहीं है। इंद्रियों की गुलामी न हो, इतना ही काफी है। इंद्रियों की मालिकियत बहुत है। लेकिन इंद्रियों की मालिकियत के लिए इंद्रियों से दुश्मनी करने की कोई जरूरत नहीं है। सच तो यह है कि जिसके हम दुश्मन हो जाएं उसके हम मालिक कभी भी नहीं हो पाते। मालिक तो हम सिर्फ उसी के हो पाते हैं जिसे हम प्रेम करते हैं। इंद्रियों और शरीर की दुश्मनी के कारण एक द्वैत आदमी में हमने पैदा किया है। हमने बताया है कि शरीर कुछ और, इंद्रियां कुछ और, तम कुछ और; और तुम्हारे और शरीर के बीच सतत दुश्मनी है, लड़ाई है। अब हम अपने ही द्वार-दरवाजों से लड़ रहे हैं। जैसे कोई आदमी एक घर में रहता हो, और अपनी छिड़कियों का दुश्मन हो जाए, अपने दरवाजों का दुश्मन हो जाए, और छिड़कियों और अपने बीच दुश्मनी मान ले। हम यहां जिस तरह की जिंदगी जीते हैं, आगे जो जिंदगी है हम उसके आधार यहीं रखते हैं, इसी पृथ्वी पर, इस पृथ्वी के विरोध में नहीं। अगर आत्मा की कोई जिंदगी है तो उसके आधार हम रखते हैं शरीर की जिंदगी में, शरीर के विरोध में नहीं। अगर अतीन्द्रिय कोई आनंद है, तो उनके भी आधार हम रखते हैं इंद्रियों के आनंदों में, उसके विपरीत नहीं। जिंदगी विरोध नहीं, हार्मनी है। यहां किसी चीज में कोई विरोध नहीं है। न शरीर और आत्मा में विरोध है, न पदार्थ और परमात्मा में विरोध है। यहां किसी चीज में विरोध नहीं है, जिंदगी एक इकट्ठी चीज है।

सू-दोक् नवताल -2181

4	6		3	5	8		7
							5
3		9			4		2 6
			5		7		8
2		5				6	1
	3		2		1		
1	2		6			7	8
	9						
7			4	1	3		9 2

सू-दोक् -2180 का हल

5	7	9	1	8	4	6	3	2
3	1	4	7	2	6	5	8	9
6	2	8	9	3	5	1	7	4
4	8	3	5	7	2	9	6	1
7	9	1	4	6	8	3	2	5
2	6	5	3	1	9	7	4	8
8	3	2	6	9	1	4	5	7
9	4	6	2	5	7	8	1	3
1	5	7	8	4	3	2	9	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

बायें से दायें-

1. 'नदिया किनारे आओ जाना' गीत वाली संजय दत्त, आफलाब शिवदासानी, नंदितादास की फिल्म-2
2. 'साया जमाना हसीनों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-3
3. 'बावर्ची' में रजेश खन्ना के साथ नायिका कीन थी-2
4. 'दो नैनो में आंसू भरे हैं' गीत वाली जोतिंद्र, हेमा मालिनी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-2,2
5. 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-2,2
6. 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, की फिल्म-3
7. करण दीवाना, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-3
8. 'नदिया किनारे आओ जाना' गीत वाली संजय दत्त, आफलाब शिवदासानी, नंदितादास की फिल्म-2
9. 'जॉय मुखर्जी, माला सिन्हा, शर्मिला टैगोर की फिल्म-4
10. आफलाब शिवदासानी, युक्ता मुखर्जी की फिल्म-2
11. 'साया जमाना हसीनों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-3
12. 'दो नैनो में आंसू भरे हैं' गीत वाली जोतिंद्र, हेमा मालिनी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-2,2
13. 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-2,2
14. 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, की फिल्म-3
15. करण दीवाना, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-3
16. मनोज कुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-1,3
17. दिल्लीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
18. नसीरुद्दीन शाह, जैकी श्रॉफ नगमा की 'मैं प्यारी नदिया हूँ' गीत वाली फिल्म-2
19. 'इस से पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रिदेवी की फिल्म-4
20. शाहरुख, विवेक मुशर्रफ, जूही की फिल्म-4
21. 'खिखे जो खत तुझे वो तेरी याद में' गीत वाली शशि कपूर की फिल्म-4
22. संजीव कुमार, लीना चंदावरकर की 'तम मन धन सब है तेरा' गीत वाली फिल्म-4

फिल्म वर्ग पहली-2181

1	2	3	4	5	6	7
8	9		10		11	
		12			13	14
15			17			
		18		19	20	
	21		22	23		
24		25			26	
	27		28	29	30	
31			32			
			33			

ऊपर से नीचे-

1. 'ये जुल्फ कैसी है जंजीर जैसी है' गीत वाली फिल्म-2,1,2
2. 'साया' में जॉनअब्राहम की नायिका-2
3. अमिताभ, परवीन बाबी की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-4
4. 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली जॉन अब्राहम, लारा शर्मा की फिल्म-2
5. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-3
6. 'तुम्हारी पलकों की चिलमनों में' गीत वाली फिल्म-3
7. अजय देवगन, रवीना, रीना राय की फिल्म-2
8. अक्षय कुमार, सुनील शेठ्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-2
9. राजकपूर ('डबल रोले'), नगिसा की 'आ जाने बहार आजा' गीत वाली फिल्म-2
10. फिल्म 'तश्क' की नायिका-2
11. सोहराब मोदी, सुनील दत्त, निमी की फिल्म-3
12. संजय खान, मुस्ताज की 'गीरी के हाथ में जैसे ये छल्ला' गीत वाली फिल्म-2
13. अभिषेक, विवेक, अजय, रानी, करीना, एशा देओल की फिल्म-2
14. 'कोई जब राह न पावे' गीतवाली फिल्म-2
15. अमिताभ, परवीन बाबी की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-4
16. 'नया घर' गीत वाली फिल्म-3
17. 'हो छोड़ो छोड़ो मेरे राहें' गीत वाली राकेश रोशन, शत्रुघ्न, रीना राय, रजनीका की फिल्म-4
18. संजय कपूर, माधुरी दीक्षित की 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-2
19. 'हे ना बोलो बोलो' गीत वाली फिल्म-3
20. 'झोपड़ी में चारपाई' गीत वाली जोतिंद्र, श्रिदेवी, जयाप्रदा की फिल्म-3
21. अभिनेत्री 'मनीषा कोहरला' किस देश की रहने वाली हैं-3
22. शाहरुख खान, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2



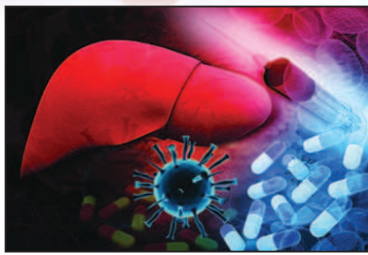
जानलेवा है हेपेटाइटिस

हेपेटाइटिस जानलेवा बीमारी है। जिसमें हेपेटाइटिस बी लोगों को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाला मर्ज है। हर साल 28 जुलाई को वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे मनाया जाता है। वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे, इस बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। हेपेटाइटिस के कारण लिवर में सूजन आ जाती है। हेपेटाइटिस संक्रामक बीमारियों का एक समूह है जिसे हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई के रूप में जाना जाता है। इसलिए इस बीमारी से बचने के लिए सावधानी की बहुत आवश्यकता होती है। भारत में फैलने का प्रमुख कारण भारत में हेपेटाइटिस फैलने का प्रमुख कारण मां से बच्चे में वायरस का संचारित होना है। इसके अलावा असुरक्षित

रक्त संक्रमण, असुरक्षित यौन संबंध, असुरक्षित सुइयों का इस्तेमाल भी बीमारी के फैलने का कारण है। हेपेटाइटिस बी का वायरस खून, सीमन और शरीर के अन्य तरल पदार्थ के जरिए संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में पहुंचता है।

हेपेटाइटिस के लक्षण

त्वचा या आंखों के सफेद हिस्से का पीला पड़ जाना
भूख न लगना
उल्टी आना
बुखार और थकान जो कई सप्ताह या महीनों तक बना रहे



ऐसे करें हेपेटाइटिस से बचाव

बीमारी के लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं क्योंकि इस बीमारी में लापरवाही घातक साबित हो सकती है।

हेपेटाइटिस, मौनसून के दौरान अधिक फैलता है, इसलिए इस मौसम में तैलीय, मसालेदार, मांसाहारी और भारी खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें।
पांलिश किए हुए सफेद चावल, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, केक, पैस्ट्री, चॉकलेट्स, ऐल्कोहॉल से दूरी बनानी चाहिए
शाकाहारी आहार, ब्राउन राइस, हरी पत्तेदार सब्जियां, विटमिन सी युक्त खट्टे फल, पपीता, नारियल पानी, सूखे खजूर, किशमिश, बादाम और इलायची का भरपूर सेवन करें।



हार्ट और हड्डियों के लिए भी खतरनाक है बर्गर

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में जंक फूड कब हमारे रूटीन में शामिल हो जाते हैं, पता भी नहीं चलता है। आजकल बर्गर हर किसी के फेवरिट फूड्स में से शामिल है। काम के बीच में अगर आपको भूख लगती है तो आपकी मदद के लिए बर्गर तुरंत आ जाता है। ज्यादातर लोग बर्गर खाने के खतरों से अनजान हैं। बर्गर आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है भले ही आप इसे कभी-कभी ही क्यों ना खाते हों। दरअसल बर्गर में कई ऐसे तत्व होते हैं जो रोगों से लड़ने की क्षमता को कमजोर करते हैं। फास्ट फूड में आम तौर पर अत्यधिक संतुप्त और ट्रांस फैटी एसिड होते हैं जो रोगों से लड़ने की क्षमता को प्रभावित करते हैं।

हाई बीपी और हृदय रोग का खतरा

पर्याप्त फल खाने से ऐसी बीमारियों से बचा जा सकता है। यह ऐसा भोजन, जो संतुप्त वसा से भरा हुआ है, आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इस वसायुक्त भोजन को लगातार करने से घमनियां काफी बिगड़ जाती हैं। इससे ब्लड प्रेशर में बाधा उत्पन्न होती है। ब्लड प्रेशर के प्रतिबंध से भविष्य में हृदय रोगों की संभावना बढ़ जाती है। बर्गर जैसे फास्ट फूड से बच्चों में अस्थमा, एरिजमा, खुजली और आंखों से पानी आना जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। खाने में पोषक तत्वों की कमी ऐलर्जी संबंधी बीमारियों

को पनपने का मौका देती है।

बीमारियों का भंडार है बर्गर

बर्गर कैलरी, वसा और अतिरिक्त सोडियम से भरे होते हैं। ये सभी आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर डालते हैं। एक बर्गर में 500 कैलरी, 25 ग्राम वसा, 40 ग्राम कार्ब्स, 10 ग्राम चीनी और 1,000 मिलीग्राम सोडियम होता है, जो आपको बीमार करने के लिए पर्याप्त है।

डायबीटीज

बर्गर की पहली बाइट खाने के 15 मिनट बाद आपके शरीर में ग्लूकोज की भारी वृद्धि हो जाती है। यह इंसुलिन रिलीज करने को बढ़ावा देता है, जिससे आपको कुछ घंटों में फिर से भूख लगती है। इस पैटर्न को दोहराने से मधुमेह का खतरा बढ़ सकता है। एक बार में अत्यधिक कैलरी लेने से शरीर की कोशिकाओं पर ऑक्सिडेटिव तनाव पड़ता है।

विटमिन डी की कमी

बर्गर के चलते फेट की अधिकता और विटमिन-डी और कैल्शियम की कमी हड्डियों को कमजोर कर देती है। हड्डियां टेढ़ी होने लगती हैं। बर्गर में मौजूद फेट, नमक या शुगर के चलते पेट तो भर जाता है लेकिन शरीर के लिए जरूरी प्रोटीन, विटमिन, कैल्शियम या मिनरल नहीं मिल पाते।

हाई ब्लड शुगर के कारण बढ़ सकता है पैनक्रियाटिक कैंसर का खतरा

हाल ही में हुए एक स्टडी के अनुसार हाई ब्लड शुगर के कारण पैनक्रियाटिक कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। स्टडी के अनुसार, हाई ब्लड शुगर पैन्क्रियाज में हेल्दी सेल्स के काम को रोक देता है और सेल का डैट बहुत तेजी से बढ़ने लगता है। यह स्टडी कोरिया में हुई है और इसका निष्कर्ष 'जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबोलिज्म' में प्रकाशित हुआ है। स्टडी में बताया गया है कि पैनक्रियाटिक कैंसर से ग्रसित और पांच साल तक जिंदा रहने वाले लोगों की संख्या सिर्फ 9 प्रतिशत है। इसका मुख्य कारण पैनक्रियाटिक कैंसर का इलाज बहुत मुश्किल है और अक्सर लारस्ट के स्टेज तक इसके बारे में पता नहीं चल पाता है। जब तक इसके बारे में जानकारी होती है, यह कैंसर पैन्क्रियाज से शरीर के बाकी हिस्सों में फैल जाता है। स्टडी से जुड़े लेखक चेओल-यंग पार्क ने बताया, 'पैनक्रियाटिक कैंसर के मेजर रिस्क फैक्टरों में से एक है हाई ब्लड शुगर। उन्होंने कहा, 'जब हमने नैशनल कोहोर्ट डेटाबेस का उपयोग करते हुए फॉरिंग ग्लूकोज के स्तर के अनुसार पैनक्रियाटिक कैंसर की घटनाओं का मूल्यांकन किया, तो हमने पाया कि पैनक्रियाटिक कैंसर के मामलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है क्योंकि ग्लूकोज का स्तर बढ़ गया था। यह दोनों तरह के लोगों में था, जिन्हें डायबीटीज की समस्या थी और जिन्हें डायबीटीज नहीं था। इस स्टडी में शोधकर्ताओं ने 25 मिलियन से अधिक मरीजों के नैशनल कोहोर्ट डेटाबेस का उपयोग करके ब्लड शुगर लेवल के अनुसार कोरिया में पैनक्रियाटिक कैंसर की घटनाओं का मूल्यांकन किया। उन्होंने पाया कि जैसे-जैसे ब्लड शुगर लेवल बढ़ता है, पैनक्रियाटिक कैंसर का रेट डायबेटिक से साथ-साथ वैसे लोगों में भी बढ़ा था, जिनका डायबीटीज ठीक हो चुका था और जिनका ब्लड शुगर लेवल सामान्य था। पार्क ने कहा, 'हमारे शोध के अनुसार, हेल्थ चेकअप से हाइपोग्लाइसीमिया के बारे में जल्द पता चलना और ग्लूकोज प्रोफाइल में सुधार के लिए जीवन शैली सुधार करके पैनक्रियाटिक कैंसर के जोखिम को कम किया जा सकता है।'

कब्ज, एसिडिटी दूर करती है सौंफ

आज के समय में ज्यादातर लोगों में ब्लड प्रेशर की समस्या होना आम बात हो गई है। आजकल के खानपान के चलते ये बीमारी किसी भी आयु के व्यक्ति हो सकती है। ब्लड प्रेशर का बढ़ना और कम होना घातक होता है। ब्लड प्रेशर से सीधा हार्ट अटैक की समस्या हो जाती है। अगर आप भी इन बिमारी से बचना चाहते हैं तो आप सिर्फ सौंफ का सेवन करें।

आज हम आपको सौंफ के होने वाले कई फायदे बताने जा रहे हैं जिनके बारे में आपको शायद ही पता होगा। सौंफ खाने से स्वास्थ्य संबंधी अन्य कई समस्याएं भी दूर हो जाती हैं, आइए जानते हैं।

कंट्रोल में रहता है बीपी

सौंफ के पानी में पोटेशियम की मात्रा भी भरपूर होती है, जिसे पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

वजन घटाती है सौंफ

सौंफ में आपके दैनिक जरूरत का 17 फीसदी विटमिन सी, 7 फीसदी कैल्शियम, 6 फीसदी

आयरन, 6 फीसदी मैग्नीशियम, 3 फीसदी पोटेशियम और 19 फीसदी मैग्नीज होता है। इसमें कैलरी की मात्रा बहुत कम होती है। इसके अलावा सौंफ में ऐसे ऐंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो शरीर के मेटाबोलिज्म की प्रक्रिया को तेज करते हैं। इससे आपके शरीर में जमा हुई अतिरिक्त चर्बी तेजी से घटती है।

सौंफ पेट की सभी समस्याओं में फायदेमंद होती है। सौंफ का पानी पीने से और सौंफ खाने से कब्ज, एसिडिटी और अपच की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा। सौंफ पाचन की क्रिया को तेज करती है।

शरीर में खून भी बढ़ेगा

सौंफ में आयरन की मात्रा अच्छी खासी होती है। यही कारण है कि सौंफ के पानी का नियमित सेवन करने से शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ता है। अनीमिया (खून की कमी) के रोगियों के लिए सौंफ खाना और इसका पानी पीना फायदेमंद हो सकता है।

खून भी होता है साफ

सौंफ में शरीर को डिटॉक्स करने का गुण प्राकृतिक रूप से होता है। यही कारण है कि सौंफ का पानी पीने और सूखी सौंफ खाने से खून में मौजूद गंदगी बाहर निकल जाती है। इससे खून साफ होता है और त्वचा पर निखार आता है।





सोने और चांदी में तेजी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आये उछाल के बीच ही दिल्ली सरफा बाजार में सोना 487 रुपये की बढ़त के साथ ही 52,566 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 52,079 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 426 रुपये की बढ़त के साथ 58,806 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 58,380 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। बाजार में शुरूआती कारोबार में रुपया 36 पैसे नीचे आकर 79.51 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कमजोर वृहद आर्थिक आंकड़ों के साथ ही अमेरिका-चीन के बीच तनाव बढ़ने से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लाभ के साथ ही 1,774 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था जबकि चांदी 20.12 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर थी।

वाहनों की बिक्री जुलाई में आठ प्रतिशत घटी: फाडा

नई दिल्ली। यात्री वाहनों और दोपहिया वाहनों और ट्रेक्टरों के पंजीकरण में कमी आने से जुलाई में वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर आठ प्रतिशत घट गई। ऑटो डीलरों के निकाय फाडा ने यह जानकारी दी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों के अनुसार पिछले महीने वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 14,36,927 इकाई रही जो जुलाई 2021 में 15,59,106 इकाई थी। यात्री वाहनों (पीवी) की खुदरा बिक्री जुलाई 2022 में सालाना आधार पर 5 प्रतिशत गिरकर 2,50,972 इकाई रही, जबकि जुलाई 2021 में यह आंकड़ा 2,63,238 इकाई था। फाडा ने कहा कि जुलाई में बिक्री आंकड़े भले घटे हों लेकिन वाहनों के नए-नए मॉडल बाजार में उतारे जा रहे हैं विशेषकर कॉम्पैक्ट एसयूवी श्रेणी में जिससे वृद्धि में मदद मिल रही है। फाडा के आंकड़ों के मुताबिक पिछले महीने दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 11 प्रतिशत घटकर 10,09,574 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले की इस अवधि में यह 11,33,344 इकाई थी। जुलाई 2022 में 59,573 ट्रेक्टर बिक्री जो जुलाई 2021 की 82,419 इकाई से 28 फीसदी कम है। हालांकि तिपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री पिछले महीने सालाना आधार पर बढ़ी है। पिछले महीने 50,349 तिपहिया वाहन बिक्री जो पिछले साल की तुलना में 80 फीसदी अधिक है। इसी तरह वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 27 फीसदी की वृद्धि के साथ 66,459 इकाई रही।

आईसीआईसीआई डायरेक्ट ने मल्टीपॉइंट का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली। निवेश मंच आईसीआईसीआई डायरेक्ट ने कहा कि उसने निवेशक समुदाय के लिए एक वेब और ऐप आधारित नेटवर्किंग मंच मल्टीपॉइंट का अधिग्रहण किया है। कंपनी ने बताया कि मल्टीपॉइंट के जरिये उपयोगकर्ता शेयरों और अन्य प्रतिभूतियों के बारे में अपने विचार साझा कर सकते हैं। आईसीआईसीआई डायरेक्ट ने बयान में कहा कि इस सौदे में मल्टीपॉइंट ऐप, प्रौद्योगिकी, ब्रांड, डोमेन नाम, उपयोगकर्ता आधार और अन्य संबंधित चीजों का अधिग्रहण शामिल है। हालांकि सौदे के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया गया।

अमेरिकी और यूरोपीय बाजार में तेजी रही

मुंबई। अमेरिका में कंपनियों के शानदार निमाही प्रदर्शन और महंगाई में नरमी की उम्मीद को देखते हुए निवेशक ताबड़तोड़ पैसे लगा रहे हैं। यही कारण है कि अमेरिका के सभी प्रमुख शेयर बाजारों में पिछले सत्र में बड़ी तेजी दिखी। अमेरिका के बड़े शेयर बाजार में शामिल नेस्डेक पर 2.59 फीसदी का बड़ा उछाल दिखा है। वहीं अमेरिका की तर्ज पर यूरोप के भी सभी प्रमुख शेयर बाजारों में पिछले सत्र में बड़ी तेजी दिखी है। यूरोप के बड़े शेयर बाजारों में शामिल जर्मनी के डै-टॉक एक्स संचयन पर पिछले सत्र में 1.03 फीसदी का उछाल दिखा तो फ्रांस का शेयर बाजार 0.97 फीसदी की बढ़त बनाकर बंद हुआ। लंदन डै-टॉक एक्स संचयन पर भी पिछले सत्र में 0.49 फीसदी की बढ़त दिखी है।

लियोनी ने पुरानी बीएमडब्ल्यू 7-सीरीज़ को किया अपग्रेड

-एयरपोर्ट पर पहुंचने पर उन्हें फिर से स्पॉट किया गया

नई दिल्ली।

मशहूर एक्टर सनी लियोनी ने अपनी पुरानी बीएमडब्ल्यू 7-सीरीज़ को न्यू जेनेरेशन 7-सीरीज़ 740 ली से अपग्रेड किया है। उन्होंने इस कार के साथ स्पॉट किया गया था और हाल ही में एयरपोर्ट पर पहुंचने पर उन्हें फिर से स्पॉट किया गया। बीएमडब्ल्यू डॉइया ने पिछले साल नई 7-सीरीज़ को भारतीय बाजार में पेश किया था। यह लग्जरी सेडान 3.0-लीटर वी6 इंजन और 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आता है। यह 0-100 किमी/घंटे मात्र 5.6 सेकेंड में पकड़ लेती है। बीएमडब्ल्यू 7-सीरीज़ 740 ली की एक्स-शारूम कीमत 1.5 करोड़ रुपये है। नई 7-सीरीज़ को स्थानीय रूप से ब्रांड के चेन्नई प्लांट में असेंबल किया गया है। यह शानदार सेडान मोचा और ब्लैक क्लिकनेशन के साथ नया लेदर अपहोलस्ट्री प्रदान करती है। उनके पास यूएस में एक लिमिटेड-एडिशन मासेराती गिबिली नेरीसीमो है और उन्होंने कुछ साल पहले खुद को कार गिफ्ट की थी। अभिनेत्री के पास भारत में एक

जेनरेट करता है। यह 8-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आता है। यह 0-100 किमी/घंटे मात्र 5.6 सेकेंड में पकड़ लेती है। बीएमडब्ल्यू 7-सीरीज़ 740 ली की एक्स-शारूम कीमत 1.5 करोड़ रुपये है। नई 7-सीरीज़ को स्थानीय रूप से ब्रांड के चेन्नई प्लांट में असेंबल किया गया है। यह शानदार सेडान मोचा और ब्लैक क्लिकनेशन के साथ नया लेदर अपहोलस्ट्री प्रदान करती है। उनके पास यूएस में एक लिमिटेड-एडिशन मासेराती गिबिली नेरीसीमो है और उन्होंने कुछ साल पहले खुद को कार गिफ्ट की थी। अभिनेत्री के पास भारत में एक



बीएमडब्ल्यू 730 एलबी थी, जिसे उनके पति डेविड लिवर ने उन्हें गिफ्ट में दिया था। वह कहती हैं कि उन्हें कारें बहुत पसंद हैं। कार के अन्य लक्जरी टच में आइडल स्टार्ट, मासाज फंक्शन और एक्टिव सीट वेंटिलेशन सहित कई लक्जरी फीचर्स हैं।

उबर ने जोमैटो में अपनी 7.8 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

मुंबई। ऑनलाइन कैब सेवा कंपनी उबर ने जोमैटो में अपनी 7.8 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची दी है। खुले बाजार में किए गए इस सौदे में उबर ने खाने-पीने के सामान की ऑनलाइन डिलिवरी करने वाले प्लेटफॉर्म जोमैटो में 61.2 करोड़ शेयरों को 3,088 करोड़ रुपये में बेचा है। जोमैटो के शेयरों की गिरावट पिछले काफी समय से चर्चा का विषय बनी हुई है। फिलहाल पिछले तीन चार सत्र से इसमें तेजी देखने को मिल रही है। बुधवार को जोमैटो के शेयर एनएसई पर 55.45 रुपये के भाव

पर बंद हुए। इसके पहले इस फंड डिलिवरी कंपनी के शेयर ऑल टाइम लो 40 रुपए पर पहुंच गए थे। अपने हाई से इसमें लगभग 75 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में जोमैटो का मुनाफा घटकर 185.7 करोड़ रुपए रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी पहले की समान अवधि में कंपनी एनएसई पर 55.45 रुपये के भाव



वहीं मार्च 2022 तिमाही में जोमैटो को 359.7 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में कंपनी की ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू बढ़कर 6,430 करोड़ रुपए रही है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई।

मुंबई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट बैंक के साथ ही ऊर्जा शेयरों में मुनाफावसूली से आई है। इसके साथ ही निवेशकों के सतर्क रुख से भी बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई संसेक्स 51.73 अंक करीब 0.09 फीसदी नीचे आकर 58,298.80 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 6.15 अंक तकरीबन 0.04 फीसदी घटकर 17,382 अंक पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की शुक्रवार

को जारी होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा को देखते हुए भी निवेशकों के सतर्क रुख से बैंक और रियल्टी क्षेत्र पर दबाव आया। संसेक्स के शेयरों में एनटीपीसी, भारतीय स्टेल बैंक, एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, पावरग्रिड और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। वहीं दूसरी ओर सन फार्मा, नेस्ले इंडिया, इन्फोसिस, डॉ. रेड्डीज, विप्रो और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर ऊपर आये हैं। अमेरिका-चीन के बीच तनाव बढ़ने की आशंका से भी निवेशक बाजार से दूर हुए हैं। वहीं एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शेनशाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ के साथ ही ऊपर आये। दूसरी ओर



यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार में उछाल रहा जबकि अमेरिकी बाजार बाजारों में बढ़त दर्ज की गयी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 0.28 फीसदी की गिरावट के साथ ही 96.51 डॉलर प्रति बैरेल पर आ गया।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया गिरावट के साथ बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में गुरुवार को रुपया 17 पैसे नीचे आकर 79.32 (अस्थायी) के भाव पर बंद हुआ। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 79.21 के स्तर पर खुला था। वहीं कारोबार के अंत में यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 17 पैसे की गिरावट के साथ ही 79.32 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस रुपया 62 पैसे टूटकर 79.15 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इसी बीच, विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 फीसदी कम होकर 106.22 रह गया।



जियो ने 22 सर्कल के लिए 5जी स्पेक्ट्रम खरीदा

नई दिल्ली। 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है। देश की कंपनियों ने 1.5 लाख करोड़ रुपए की बोली लगाई है। नीलामी के लिए रखे गए 5जी स्पेक्ट्रम का 71 फीसदी हिस्सा बेचा जा चुका है। नीलामी में रिलायंस जियो की सबसे ज्यादा हिस्सेदारी रही। जियो ने 22 सर्कल के लिए 5जी स्पेक्ट्रम खरीदा है। दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि सरकार अक्टूबर में 5जी सेवा की शुरूआत की उम्मीद कर रही है। रिलायंस की सेवा अगले साल जनवरी तक देश के 9 शहरों में पहुंच सकती है। रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा है कि हम 5जी की लॉन्चिंग के साथ ही आजादी का अमृत महोत्सव मनाए जा रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि सबसे पहले जियो अपने ग्राहकों को 5जी का तोहफा दे सकता है। जियो की 5जी सेवा 15 अगस्त को लॉन्च हो सकती है। दूरसंचार विशेषज्ञ का कहना है कि ग्राहकों के लिए 5जी सेवा की कीमत 4जी के बराबर नहीं होगी क्योंकि यूजर अल्ट्रा फास्ट सर्विस का चुनाव कर सकते हैं। कंपनियां नेटवर्क में किए गए अपने निवेश पर मुनाफा कमाने के लिए 5जी के लिए ज्यादा चार्ज लेंगी।



केन्द्र ने 5जी युग में डिजाइन आधारित दूरसंचार पीएलआई योजना आवेदन की तारीख बढ़ाई

नई दिल्ली।

5जी स्पेक्ट्रम की सफल नीलामी के बाद देश में 5जी के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए, सरकार ने गुरुवार को डिजाइन आधारित निर्माण योजना के तहत आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 25 अगस्त तक बढ़ा दी। दूरसंचार विभाग ने 12,195 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ 24 फरवरी, 2021 को डिजाइन-आधारित प्रोडक्शन-लिंकड योजना (पीएलआई) योजना को अधिसूचित किया था। दूरसंचार और नेटवर्क के लिए प्रोडक्शन-लिंकड इन्वेस्टिव (पीएलआई) योजना के दिशानिर्देशों को 1 अप्रैल से संशोधित किया गया है ताकि अतिरिक्त एक प्रतिशत प्रोत्साहन दरों के साथ डिजाइन आधारित विनिर्माण शुरू किया जा सके। पीएलआई योजना के तहत डिजाइन आधारित विनिर्माण के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 21 जून से शुरू हुई थी। इससे पहले, आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 5 अगस्त तक बढ़ा दी गई थी। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने जून में प्रोडक्शन-लिंकड इन्वेस्टिव (पीएलआई) योजना



की अवधि को एक वर्ष तक बढ़ाने के साथ-साथ डिजाइन-आधारित विनिर्माण के लिए एक प्रोत्साहन योजना की घोषणा की थी। डीओटी ने हितधारकों के सुझावों के आधार पर मौजूदा सूची में 11 नए दूरसंचार और नेटवर्क के प्रोडक्शन को जोड़ने को भी मंजूरी दी। डिजाइन-एलईडी निर्माण का मुख्य उद्देश्य

भारत में दूरसंचार प्रोडक्शन को डिजाइन करने के प्रयासों का समर्थन करना है। सरकार ने मौजूदा सूची में 11 नए दूरसंचार और नेटवर्क के प्रोडक्शन को जोड़ने को भी मंजूरी दी है और मौजूदा प्रोत्साहन दरों के ऊपर 1 फीसदी की अतिरिक्त प्रोत्साहन दर देने की घोषणा की है।

सरकार ने गन्ने का एफआरपी बढ़ाकर 305 रुपए प्रति क्विंटल किया

- चीनी सत्र 2022-23 अक्टूबर-सितंबर के लिए लागू होगा

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली आर्थिक मामलों की केंद्रीय कैबिनेट (सीसीईए) ने गन्ने के उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) को 15 रुपए बढ़ाकर 305 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया है। दरअसल एफआरपी वह कीमत होती है जिसके नीचे किसानों को भुगतान नहीं किया जा सकता है। यह मूल्य चीनी सत्र 2022-23 अक्टूबर-सितंबर के लिए लागू होगा। उपभोक्ते ता मंत्रालय ने बताया कि एफआरपी में 10.25 फीसदी से अधिक की वसूली में प्रत्येक 0.1 फीसदी की वृद्धि के लिए 3.05 रुपए प्रति

क्विंटल का प्रीमियम भी दिया जाएगा, जबकि वसूली में प्रत्येक 0.1 फीसदी की कमी आने पर एफआरपी 3.05 रुपए घटा दी जाएगी। चीनी मिलों के मामले में वसूली दर 9.5 फीसदी से कम रहने पर कोई कटौती नहीं की जाएगी। मंत्रालय ने बताया कि एफआरपी में बढ़ोतरी के साथ गन्ना किसानों की आमदनी बढ़कर लगभग दोगुनी हो जाएगी। चीनी सत्र 2022-23 में गन्ने का उदे पादन पर प्रति क्विंटल 162 रुपए का खर्चा आने का अनुमान है, जबकि किसानों को प्रति क्विंटल 305 रुपए दिए जाएंगे, जो उनको उदे पादन लागत से 88 फीसदी ज्यादा है। मौजूदा चीनी



सत्र में गन्ने की कीमत 290 रुपए प्रति क्विंटल है। मोदी सरकार ने पिछले आठ साल में गन्ने का गारंटी मूल्य 34 फीसदी बढ़ा दिया है। आने वाले चीनी सत्र में मिलों की ओर से करीब 3,600 लाख टन गन्ने की खरीद होने की संभावना है। ऐसे में अनुमान है कि अगले सत्र में किसानों को करीब 1.20 लाख करोड़ रुपए का भुगतान किया जाएगा सरकार ने कहा है कि गन्ने का मूल्य बढ़ाने के साथ हम यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसानों को उनका भुगतान समय पर दिया जाए। गन्ने का मूल्य

बढ़ाए जाने से सीधे तौर पर देश के 5 करोड़ किसानों को लाभ होगा। साथ ही चीनी मिलों में काम करने वाले 5 लाख कामगारों को भी इसका फायदा पहुंचेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि एथनॉल के उत्पादन में तेजी के साथ ही गन्ने की खरीद भी बढ़ रही है और इसका लाभ भी सीधे तौर पर किसानों को मिल रहा है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत 5 रुपए तक हो सकती है कम

नई दिल्ली।

जल्द ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट आ सकती है। बेंट क्रूड ऑयल का भाव 96 डॉलर प्रति बैरेल हो गया है। जानकारों का मानना है कि इस भाव की ही वजह से पेट्रोल और डीजल की कीमत में भी 5 रुपए तक की गिरावट आ सकती है। वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल के दाम 100 डॉलर प्रति बैरेल से भी नीचे पहुंच गए हैं। बेंट क्रूड ऑयल का भाव 96 डॉलर प्रति बैरेल है। लगभग 15 दिनों में डब्ल्यूटीआई का भाव 90 डॉलर प्रति बैरेल है। लगभग 15 दिनों में डब्ल्यूटीआई के दाम में करीब 12 डॉलर प्रति बैरेल से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। बेंट क्रूड ऑयल के दाम भी 5 दिनों में 15 डॉलर प्रति बैरेल से भी ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। जानकारों के अनुसार ओपेक के ऑयल प्रोडक्शन बढ़ाने के बयान के बाद यह गिरावट दर्ज की गई है। जिस तरह से क्रूड ऑयल के दाम गिर रहे हैं, उससे आने वाले दिनों में भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम में गिरावट दर्ज की जा सकती है। दो महीनों में पेट्रोल और डीजल 5 रुपये तक सस्ता हो सकता है।

अमेजन ने सामान डिलिवरी के लिए भारतीय रेलवे से किया समझौता



नई दिल्ली।

ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडिया ने 110 से अधिक इंटरसिटी मार्ग पर ग्राहकों तक अपने सामान की डिलिवरी के लिए भारतीय रेलवे से करार किया है। कंपनी ने कहा कि ग्राहकों को एक से दो दिन के भीतर उनके सामान की डिलिवरी सुनिश्चित करने के लिए उसने यह समझौता किया है। अमेजन ने कहा कि कंपनी 2019 में भारतीय रेलवे के साथ काम करना शुरू किया। कंपनी के लिए देश के ग्राहकों को तेज, विश्वसनीय और सुरक्षित खरीदारी अनुभव देने पर फोकस कर रहे हैं। चाहे हमारे ग्राहक देश भर में कहीं भी रहते हों। भारतीय रेलवे के साथ काम करने से हमें नारकोडोल, कटवा, पोरबंदर, झांसी, और ग्वालियर जैसे शहरों में ग्राहकों को तेजी से प्रोडक्ट डिलिवरी कर सके।

और रुद्रपुर जैसे शहरों और कस्बों में ग्राहकों को उनके सामान की डिलिवरी कर रही है। अमेजन के बयान में कहा गया है कि 2020 में महामारी की वजह से लगे लॉकडाउन के दौरान कंपनी ने कारोना पार्सल स्पेशल ट्रेनों के साथ मिलकर काम किया। उच्च प्राथमिकता वाले प्रोडक्ट की डिलिवरी के लिए भारतीय रेलवे के साथ काम किया। अब इस काम को और बढ़ाया जा रहा है। कंपनी ने कहा कि हम अपने ग्राहकों को अमेजन में हम अपने ग्राहकों को तेज, विश्वसनीय और सुरक्षित खरीदारी अनुभव देने पर फोकस कर रहे हैं। चाहे हमारे ग्राहक देश भर में कहीं भी रहते हों। भारतीय रेलवे के साथ काम करने से हमें नारकोडोल, कटवा, पोरबंदर, झांसी, और ग्वालियर जैसे शहरों में ग्राहकों को तेजी से प्रोडक्ट डिलिवरी कर सके।

आग लगाने की घटनाओं के बावजूद देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी

नई दिल्ली।

भारत में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों का असर वाहनों की बिक्री पर देखने को मिल रहा है। परंपरागत ईंधन का विकल्प इलेक्ट्रिक वाहन के रूप में सामने आने के बाद पिछले कुछ दिनों में देश में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में ईवी की बिक्री के ये आंकड़े सीईईडब्ल्यू-सेंटर फॉर एनर्जी फाइनेंस (सीईईडब्ल्यू-सीईएफ) मार्केट हैंडबुक के जारी नए संस्करण में सामने आए हैं, जो चौकाने वाले हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री के मामले में, मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ईवी की बिक्री, पिछले वित्त वर्ष में कुल बिक्री के लगभग आधे हिस्से तक पहुंच गई। दोपहिया और तिपहिया (इ-रिक्शा सहित) वाहनों की कुल बिक्री में, बैटरीचालित दोपहिया वाहनों का हिस्सा 3.7 फीसदी और तिपहिया वाहनों का हिस्सा 5.4.9 प्रतिशत रहा। इस तिमाही में ईवी की सुरक्षा के बारे में बढ़ती चिंताओं के बीच, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने उपभोक्ता सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ईवी बैटरी के प्रदर्शन मानकों को जारी किया है। इसके अलावा, नीति आयोग ने अग्रिम लागत घटाने और कम जगह में ईवी चार्जिंग के लिए बैटरी स्वीपिंग पॉलिसी का मसौदा जारी किया। इन उपायों से ग्राहकों को सभी श्रेणी में ज्यादा से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। रिपोर्ट बताती है कि आग लगने की विभिन्न घटनाओं के बावजूद, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री पिछले वित्त वर्ष की सामान्य तिमाही की तुलना में 636 प्रतिशत बढ़कर 2 लाख यूनिट से थोड़ा ऊपर पहुंच गई। ईवी की बिक्री में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इस तिमाही में बिक्री होने वाले कुल नए वाहनों में ईवी की हिस्सेदारी बढ़कर 4.35 प्रतिशत हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इस तिमाही में एक प्रतिशत से भी कम थी।





तेजस्विन को राष्ट्रमंडल खेलों की ऊंची कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

भारत के तेजस्विन शंकर ने राष्ट्रमंडल खेलों की ऊंची कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। तेजस्विन ने इस स्पर्धा में 2.22 मीटर की छलांग लगाई। राष्ट्रीय चैंपियन तेजस्विन का सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.27 और सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 2.29 मीटर है। वहीं न्यूजीलैंड के हामिश केर को स्वर्ण जबकि ऑस्ट्रेलिया के ब्रेंडन स्टार्क को रजत पदक मिला है। दोनों ने ही 2.25 मीटर की छलांग लगाई थी।



शतरंज ओलिम्पियाड छठवाँ दिन जॉर्जिया पर धमाकेदार जीत के साथ महिला वर्ग में भारत ने बनाई एकल बढ़त

मामलपुरम,(एजेंसी)

(निकलेश जैन) 44वें शतरंज ओलिम्पियाड में छठवाँ दिन भारत की प्रमुख महिला टीम के नाम रहा और उन्होंने खिताब की प्रबल दावेदार और चार बार की ओलिम्पियाड विजेता जॉर्जिया को पराजित करते हुए ना सिर्फ पदक की ओर आरके और मजबूत कदम बढ़ाया पर साथ लगातार छठी जीत के साथ एकल बढ़त भी कायम कर ली है। आज टीम को जीत का रास्ता दिखाया भारत की सफलतम महिला खिलाड़ी कोनेरु हम्पी ने और उन्होंने पहले बोर्ड जॉर्जिया टीम की सबसे बड़ी खिलाड़ी नाना दगिनजजे को सफ़द मोहरो से बेनोनी ओपनिंग में पराजित किया, तीसरे बोर्ड पर वैशाली आर ने अनुभव लेला जवाकिखिदी को पराजित किया जबकि दूसरे बोर्ड पर हरिका द्रोणावल्ली ने नीनों बतसियशविली से

तौ चौथे बोर्ड पर तानिया सचदेव ने सलोमे मेनिया से ड्रॉ खेलते हुए टीम को 3-1 से एकतरफा जीत दिला दी। महिला वर्ग में रोमानिया ने आज उक्रेन को ड्रॉ पर रोका तो अजरबैजान ने कजाकिस्तान को 3-1 से पराजित किया और अब जहाँ भारत 12 अंको पर है तो रोमानिया और अजरबैजान 11 अंक तो उक्रेन 10 अंको पर खेल रहा है, भारत की महिला बी टीम ने चेक गणराज्य से ड्रॉ खेला तो सी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया।

पुरुष वर्ग में हरीकृष्णा और गुकेश जीते पर भारत जीत से चूका

पुरुष वर्ग में आज पहले टेबल पर भारत की टीम बी ने अर्मेनिया के खिलाफ बेहतरीन खेल दिखाया पर जीत के करीब जाकर टीम को हार का सामना करना पड़ा। पहले बोर्ड पर भारत के डी गुकेश ने प्रतियोगिता में अपनी छठी जीत हासिल की और उन्होंने

सर्गिसियन गेब्रियल को मात दी और टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी और दूसरे बोर्ड पर निहाल ने हरात मेलकुमयान से ड्रॉ खेलकर 1.5-0.5 से टीम को आगे कर दिया पर तीसरे बोर्ड अधिनव भास्करन समवेल सहकायन से तो चौथे बोर्ड पर रौनक साधवानी रोबर्ट होवहनीसन से पराजित हो गए और टीम 2.5-1.5 से मुकाबला जीता। पुरुष की ए टीम को भी आज पेंटाला हरीकृष्णा ने उज्बेकिस्तान के खिलाफ पहले बोर्ड पर विश्व रैंपिड चैंपियन अब्दुस्तारोव नोदिरबेक को मात देकर भारत को 1-0 से आगे कर दिया पर बाद में विदित गुजराती और अर्जुन एरिगासी का मैच



ड्रॉ रहा जबकि कृष्ण शशिकिरण की हार के चलते 2-2 से भारत को ड्रॉ खेलने को विवश होना पड़ा। भारत की सी टीम ने आज जरूर लिथुयनिया को 3.5-0.5 से हराकर बहुत बड़ी जीत हासिल की। पुरुष वर्ग में अब अर्मेनिया पहले, यूएसए दूसरे और भारत बी तीसरे स्थान पर चल रही है

राष्ट्रमंडल खेल : पीवी सिंधू महिला एकल के प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंची

बर्मिंघम : (एजेंसी)

शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने गुरुवार को यहां आसान जीत से राष्ट्रमंडल खेलों की महिला एकल स्पर्धा के प्री क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता सिंधू ने राउंड 32 के मुकाबले में मालदीव की फातिमा नवाहा अब्दुल रज्जाक को महज 21 मिनट में 21-4, 21-11 से हरा दिया। एकल में पिछले चरण की रजत पदक विजेता सिंधू को मुकाबले में जरा भी पसीना नहीं बहाना पड़ा जबकि फातिमा को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। पहले गेम में सिंधू ने आक्रामकता बरते बिना ही मालदीव की प्रतिद्वंद्वी को पस्त कर दिया जिसमें उन्होंने अंक जुटाने के लिए ड्रप शॉट्स का इस्तेमाल किया। दूसरे गेम में फातिमा ने शुरू में थोड़ी चुनौती पेश की और वह सिंधू के साथ 9-9 की



बरबरी पर थी क्योंकि भारतीय खिलाड़ी ने सहज गलतियों से अंक दे दिए थे। लेकिन फिर सिंधू ने ब्रेक तक 11-9 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद उन्होंने आराम से अंक जुटाकर अंतिम 16 में जगह बनाई जबकि प्रतिद्वंद्वी केवल दो अंक ही बना सकी।

राष्ट्रमंडल खेल : स्काश में घोषाल को कांस्य पदक, सुनयना ने प्लेट फाइनल जीता

बर्मिंघम : (एजेंसी)

भारत के सौरव घोषाल ने पुरुष एकल स्काश के कांस्य पदक के एकतरफा मुकाबले में बुधवार को यहां इंग्लैंड के दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी जेम्स विल्स्ट्रॉप को सीधे गेम में 3-0 से हरा दिया। दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी घोषाल ने मेजबान देश के दुनिया के 24वें नंबर के खिलाड़ी के खिलाफ 11-6, 11-1, 11-4 से आसान जीत दर्ज की। राष्ट्रमंडल खेलों में स्काश एकल स्पर्धा में भारत का यह पहला पदक है। घोषाल का राष्ट्रमंडल खेलों में यह दूसरा पदक है। उन्होंने 2018 में गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में दीपिका पल्लिकल के साथ मिलकर मिश्रित युगल का रजत पदक जीता था। घोषाल ने विल्स्ट्रॉप के खिलाफ शुरूआत से ही दबदबा बनाया और इंग्लैंड के खिलाड़ी के पास उनके खेल का कोई जवाब नहीं था। विल्स्ट्रॉप ने पहले गेम में घोषाल को टकर देने की कोशिश की लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने उन्हें अंक बनाने के अधिक मौके नहीं दिए। दूसरे गेम में तो विल्स्ट्रॉप की भूमिका सिर्फ एक दर्शक जैसी रही और मेजबान देश का खिलाड़ी पूरे गेम में सिर्फ एक ही अंक जुटा पाया। तीसरे गेम में भी स्थिति में अधिक बदलाव देखने को नहीं मिला और घोषाल ने दबदबा कायम रखते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। पूर्व राष्ट्रीय कोच और मौजूदा टीम के मैनेजर साइरस पोचा ने कहा, 'पहला गेम 18 मिनट चला और कड़ा मुकाबला देखने को मिला। घोषाल कम उम्र का होने के कारण दोनों खिलाड़ियों के बीच अधिक ताकतवर था।'



पूजा ओझा ने रचा इतिहास, कैनो स्पिंट वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत को दिलाया पहला पदक



(एजेंसी)

भारत की पूजा ओझा ने कनाडा के हेलिफैक्स में 2022 ICF कैनो स्पिंट वर्ल्ड चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। पैरा-कैनो

विश्व चैंपियनशिप में भारत के लिए यह पहला पदक है। वीएल महिला 200 मीटर फाइनल में मध्य प्रदेश के भिंड की पैरा-कैनो एथलीट ने 1:34.18 के समय के साथ दूसरे स्थान हासिल किया। हैम्बर्ग की लिलेमोर कोपर ने 1:29.79

के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। दौड़ के पहले हाफ के बाद पूजा ओझा आगे थीं, लेकिन फिर लिलेमोर कोपर ने पूजा को पीछे छोड़ते हुए अंत में जीत हासिल की। इस दौड़ में दूसरा स्थान फिनिश लाइन तक कड़ी मेहनत से लड़ा गया था। पूजा ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में छह बार स्वर्ण पदक जीता है और विश्व के लिए क्वालीफाई करने वाली भारत की पहली महिला है।

वह पिछले साल पैरा ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई चैंपियनशिप में छठे स्थान पर थीं और वर्तमान में दुनिया के शीर्ष पैरा कैनो खिलाड़ियों में नौवें स्थान पर हैं। इस प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने वाले दूसरे भारतीय सुरेंद्र कुमार ने वीएल1 पुरुष 200 मीटर में 1:22.97 के समय के साथ 5/8 का स्थान हासिल किया। शुरुआती क्लास V11 में, एथलीट केवल पैडलिंग के लिए अपने हाथों और कंधों का उपयोग कर सकते हैं। पैराकैनो दौड़ 200 मीटर स्पिंट दूरी तक होती है।

हार्दिक पांड्या को प्रमोशन देने की तैयारी, केएल राहुल की जगह उपकप्तान बनेंगे

(एजेंसी)

पीठ की चोट के कारण लंबे समय तक टीम इंडिया से बाहर रहे हार्दिक पांड्या पर क्रिस्मत मेहरमान हो रही है। फिट होने के बाद टीम इंडिया में लौटे हार्दिक जबरदस्त फॉर्म में दिख रहे हैं। इसी कारण बीसीसीआई ने उनपर भरोसा जताते हुए उन्हें आगामी सीरीज के लिए केएल राहुल की जगह उपकप्तान बनाने का फैसला किया है। राहुल का बतौर कप्तान अभी तक प्रदर्शन इतना अच्छा नहीं रहा है इसलिए मैनेजमेंट टी-20 विश्व कप से ठीक पहले बड़ा फैसला लेने के मूड में दिख रही है। टी-

20 विश्व कप के लिए अनुमानित 15 सितंबर को टीम की घोषणा की जाएगी, इसमें हार्दिक पांड्या को टी-20 विश्व कप के लिए उपकप्तान बनाया जाएगा। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी क कहना है कि हार्दिक विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं। वह अब फिट हैं। उन्हें उपकप्तान बनाया जाएगा या नहीं यह चयनकर्ताओं पर निर्भर है। लेकिन वह पहले से ही समूह में एक नेता है। एक ऑलराउंडर के तौर पर वह दोनों स्थितियों को समझते हैं। उनके पास नेतृत्व कौशल है जोकि हमने आईपीएल में बाखूबी देखा। इसलिए हार्दिक पर बढ़ गया

भरोसा

हार्दिक ने आईपीएल में वापसी कर 15 मैचों में 487 रन बनाए। आईपीएल फाइनल में गेंदबाजी करते 3 विकेट चटकए, टीम को टाइटल दिलाया। टी-20 विश्व कप में खेलते हुए 12 मैचों में 31 की औसत से 253 रन बना चुके हैं। केएल राहुल चोट के कारण बाहर हैं इसलिए साउथ अफ्रीका सीरीज में वह उपकप्तान होंगे। आयरलैंड में अपनी कप्तानी में 2 टी-20 मैचों की सीरीज जीती।

बीसीसीआई अधिकारी की

दो-दृक ऑलराउंडर होने के नाते अपने वर्कलॉड को मैनेज करना महत्वपूर्ण है। हमारे पास सारे टी-20 और एकदिवसीय मैच हैं और एक ऑलराउंडर के लिए तीनों प्रारूपों में खेलना संभव नहीं होगा। हार्दिक अब सफेद गेंद के प्रारूपों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। जहां तक टेस्ट की बात है तो हमारे पास ऑलराउंडर स्लॉट के लिए जडेजा और शार्दूल हैं जो अच्छे प्रदर्शन कर रहे हैं। एक बार जब दीपक चोट से वापस आ जाएंगे तो उन्हें टेस्ट टीम में रखा जाएगा।

मुझे हरमन या स्मृति बनने की जरूरत नहीं, जेमिमा बनकर खुश हूँ: जेमिमा रोड्रिग्स

बर्मिंघम।

जेमिमा रोड्रिग्स अपने मजबूत पक्षों को अच्छी तरह से समझती हैं और कप्तान हरमनप्रीत कौर या स्मृति मंधाना जैसी 'पावर हिटर' बनने के लिए उन्हें अपने नैसर्गिक खेल में बदलाव करने की जरूरत नहीं लगती है। जेमिमा ने बारबाडोस के खिलाफ भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी के 46 गेंदों पर नाबाद 56 रन की मदद से भारत ने बारबाडोस को 100 रन से हराकर राष्ट्रमंडल खेलों की क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाई। जेमिमा ने मैच के बाद कहा, 'स्मृति (मंधाना) ने 2019 में आईपीएल (महिला टी20 चैलेंज) के दौरान कहा था कि हरमनप्रीत कौर या स्मृति मंधाना बनने की कोशिश मत करना तुम जेमिमा रोड्रिग्स हो। मुझे लगता है कि मैंने वह भूमिका समझी और इससे मुझे काफी मदद मिल रही है।' लोग उनके खेल के बारे में क्या सोचते हैं जेमिमा के लिए यह खास मायने नहीं रखता। उन्होंने कहा, 'टीम में मुझे एक भूमिका सौंपी है। अगर मैं वह भूमिका निभा सकती हूँ तो फिर यह मायने नहीं रखता के लोग इस बारे में क्या सोचते हैं। यदि इससे टीम को फायदा होता है तो फिर हमारे पास शेफाली, स्मृति और हरमन हैं और इसलिए मैं केवल वह भूमिका सर्वश्रेष्ठ तरीके से निभाना चाहती हूँ जो मैं टीम के लिए निभा सकती हूँ।' जेमिमा ने स्वीकार किया कि वह 'पावर हिटर' नहीं है लेकिन खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अधिक योगदान देने के लिए इस विशेष कौशल पर ध्यान दे रही हैं। उन्होंने कहा, 'निश्चित तौर पर मैं अपने पावर गेम पर काम कर रही हूँ लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि मैंने अपने खेल को समझ लिया है। मैं पावर हिटर नहीं हूँ लेकिन मैं एक या दो रन लेने के लिए अच्छी तरह से शॉट खेल सकती हूँ। मैं जानती हूँ कि रन कैसे बनाने हैं। मुझे लगता है यह मेरा मजबूत पक्ष है।' जेमिमा को विश्वास है कि पर्याप्त संख्या में छके नहीं लगाने के बावजूद वह अपना स्ट्राइक रेट अच्छा बना कर रख सकती हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा खेल बहुत आकर्षक नहीं है लेकिन इसके बिना भी मैं अच्छे स्ट्राइक रेट कायम रख सकती हूँ। इसलिए मुझे अहसास हुआ कि मुझे किसी का अनुकरण करने की जरूरत नहीं है। मुझे रन बनाने के लिए जेमिमा रोड्रिग्स ही बनना होगा। इससे मुझे मदद मिली।'

राष्ट्रमंडल खेल : हिमा अपनी हीट जीतकर 200 मीटर स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंची



बर्मिंघम : भारत की स्टार स्पिंडर हिमा दास यहां राष्ट्रमंडल खेलों की 200 मीटर स्पर्धा में अपनी हीट में 23.42 सेकेंड का समय निकालकर पहले स्थान पर रहीं जिससे उन्होंने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। हिमा (22 वर्ष) पांच महिला धाविकाओं की हीट में शुरू से ही सबसे आगे रहीं जिसमें जांबिया की रोडा नजोबु 23.85 सेकेंड से दूसरे स्थान पर जबकि युगांडा की जारसेट नयामुहो 24.07 सेकेंड के समय से तीसरे स्थान पर रहीं। महिलाओं की 200 मीटर रस में छह हीट से शीर्ष 16 सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। हिमा ने हीट 2 जीती लेकिन हीट 1 में नाइजीरिया की फेकर ओफिली (22.71 सेकेंड) और हीट 5 में इलेन थॉमसन हेरा (22.80 सेकेंड) ने उनसे काफी बेहतर समय निकाला। हिमा की तुलना में कम से कम छह खिलाड़ियों ने बेहतर समय निकाला जो सेमीफाइनल में पहुंची।

अनफिट बोलकर कर दिया था बाहर, 30 किलो वजन घटाकर टीम में बनाई जगह और जीता सिल्वर

बर्मिंघम (एजेंसी)

जूडोका तुलिका मान के अनुसार वह अभी पूरी तरह फिट नहीं है लेकिन अब वह राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता है और इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने बर्मिंघम 2022 की टीम में जगह बनाने के लिए 30 किलो वजन कम किया था। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए एक साल पहले जिन खिलाड़ियों की सूची तैयार की गई थी उनमें तुलिका का नाम नहीं था क्योंकि वह अनफिट थी। बर्मिंघम खेलों में मुकाबला बहुत कड़ा नहीं था जैसा कि एशियाई खेलों में हो सकता है जो कि इनका अगला लक्ष्य है लेकिन लगभग छह फीट लंबी इस खिलाड़ी ने 78 किग्रा में भाग लेने के लिए अपनी फिटनेस

पर काफी काम किया। जूडो के कोच जीवन शर्मा ने कहा, 'एक साल पहले जब संभावित खिलाड़ियों का चयन किया गया तो तुलिका उनमें शामिल नहीं थी। उसका वजन तब 115 किलो था लेकिन उसने उसे घटाकर 85 किलो किया। अभी उसका वजन 89-90 किलो है। उन्होंने कहा, 'जूडो में अभी काफी काम करने की जरूरत है क्योंकि एशियाई स्तर पर मुकाबला राष्ट्रमंडल खेलों की तुलना में अधिक कड़ा है। तुलिका भारतीय खेल प्राधिकरण के भोपाल केंद्र में कोच यशपाल सोलंकी से प्रशिक्षण लेती हैं और उन्होंने बुधवार को पदक समारोह में अपना रजत पदक कोच और मां को समर्पित किया था जो दिल्ली पुलिस में कार्यरत हैं। जब वह दो साल की

थी तब उनके पिता का निधन हो गया था। तुलिका ने कहा, 'मैं यहां रजत पदक के लिए नहीं आई थी। कौन जानता है कि जब मैं अगली बार राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लूंगी तो क्या होगा। मुझे पदक का रंग बदलना होगा। मैं अपने इस प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, 'मैंने आक्रमक रवैया न अपनाकर दो फाजल किए और फिर मैं उनका बचाव करने में लग गई जो कि सही नहीं रहा। तुलिका फाइनल में स्कॉटलैंड की सारा एडलिंग्टन से हार गई थी। तुलिका ने उन परेशानियों से हार गई थी। तुलिका ने उन परेशानियों से हार गई थी जो उन्होंने भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए झेली थी। उन्होंने कहा,



'टीम में जगह बनाने के लिए मुझे काफी समस्याओं का सामना करना पड़ा लेकिन तब भारतीय खेल प्राधिकरण ने हस्तक्षेप किया। अगर मुझे अत्यास शिविर में अधिक आस्था का मौका मिलता तो परिणाम इससे बेहतर होता।'

राष्ट्रमंडल खेल : भारत ने बारबाडोस को 100 रन से हराकर सेमीफाइनल में रखा कदम

बर्मिंघम : भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में बारबाडोस को 100 रन के विशाल अंतर से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारत ने बुधवार को खेले गये ग्रुप-ए के आखिरी मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 163 रन बनाये थे, जिसके जवाब में बारबाडोस 62 रन ही बना सकी। बारबाडोस ने टीस जीत कर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया और सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (5) को जल्दी पवेलियन लौटाया, लेकिन इसके बाद कुछ भी उनके पक्ष में नहीं गया। शफाली वर्मा ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 26 गेंदों पर सात चौके और एक छक्का लगाकर 43 रन बनाये। कप्तान हरमनप्रीत कौर (0) और विकेटकीपर तानिया भाटिया (6) महत्वपूर्ण योगदान नहीं दे सकीं, मगर जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ती शर्मा ने 70 रन की नाबाद साझेदारी कर भारत को 162/4 के स्कोर तक पहुंचाया। रोड्रिग्स ने छह चौकों और एक छके की बढ़त सवाधिक 56 (46) रन बनाये, जबकि शर्मा ने 28 गेंदों पर दो चौकों और एक छके की मदद से 34 रन की पारी खेली। बारबाडोस 162 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कभी भी मुकाबले में नहीं थी। रेणुका सिंह ने अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए पावरप्ले में ही विपक्षी टीम के चार बल्लेबाजों को पवेलियन लौटा दिया। रेणुका ने अपने चार ओवर में 2.5 की औसत से मात्र 10 रन देकर चार विकेट लिए। बारबाडोस की ओर से किशोना नाइट ने सर्वाधिक 16 रन बनाए जबकि शांिका सलमान ने 12 रन की पारी खेली। इनके अलावा कैरिबियाई टीम का कोई खिलाड़ी 10 रन के आंकड़े को भी नहीं छू सका। रेणुका के अलावा भारत की ओर से मेघना सिंह, स्नेह राणा, राधा यादव और हरमनप्रीत ने एक-एक विकेट लिया।

राज्यव्यापी 'हर घर तिरंगा' अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री ने सूरत से किया

अहमदाबाद ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के 8 महानगर पालिका क्षेत्रों में 4 से 12 अगस्त के दौरान आयोजित होने वाली राज्यव्यापी 'तिरंगा पदयात्रा' का गुरुवार को सूरत महानगर से शुभारंभ कराते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि देश की एकता, अखंडता एवं 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के प्रतीक तिरंगे को देश के सभी घरों में फहराने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान को स्वीकार करते हुए राज्य सरकार राज्य के एक करोड़ घरों पर तिरंगा फहराने को संकल्पबद्ध है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सूरत महानगर पालिका द्वारा राष्ट्र भावना के साथ मनाए जा रहे स्वतंत्रता के 75 वर्ष के अवसर पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत पिपलोट में आयोजित 'तिरंगा पदयात्रा' को प्रस्थान कराया और साथ ही इस पदयात्रा में नगरजनों के पैदल



चल कर सहभागी भी हुए। लालभाई कॉन्स्ट्रक्शन क्रिकेट स्टेडियम से कारगिल चौक तक दो किलोमीटर की इस तिरंगा यात्रा के रूट पर नगरजनों ने मुख्यमंत्री और महानुभावों का तिरंगा लहरा कर हर्षनाद के साथ अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने भी तिरंगा लहरा कर नगरजनों का अभिवादन स्वीकार किया। इससे पहले मुख्यमंत्री सहित महानुभावों, पदाधिकारियों ने यहाँ



लगाए गए विभिन्न तिरंगा वितरण बूथ पर जाकर डिजिटल पेमेंट कर तिरंगा खरीदा। इसके बाद शुरू हुई पदयात्रा के रूट पर राज्य के सांस्कृतिक समूहों, स्कूलों के विद्यार्थियों-युवाओं ने परम्परागत सांस्कृतिक परिधान में देश भक्ति की रंगारंग कृतियाँ प्रस्तुत कीं और 'तिरंगा पदयात्रा' में शामिल पदयात्रियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। यात्रा के दौरान मिनी भारत समान सूरत में बसे विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक समूह तथा उनकी नृत्य प्रस्तुतियाँ आकर्षण का केन्द्र बने। मुख्यमंत्री ने लालभाई कॉन्स्ट्रक्शन स्टेडियम में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जब स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर समग्र देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, तब राज्य के हर नागरिक में राष्ट्र भावना जगाने में सूरत को यह तिरंगा

व्यक्त की कि सूरती घर-घर तिरंगा फहरा कर राष्ट्र चेतना की इस पहल में योगदान दें। उन्होंने तिरंगा यात्रा सुदृढ़ आयोजन के लिए सूरत महानगर पालिका के सूत्रधारों को अभिनंदन दिया।

इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने प्रासंगिक संबोधन में सूरतवासियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सूरतियों ने तिरंगा यात्रा के माध्यम से देश के कोने-कोने में राष्ट्रवाद का संदेश पहुँचाने का दायित्व उठाया है। सूरत के युवाओं-बच्चों का अपनी पॉकेट मनी से तिरंगा झंडा खरीद कर यात्रा में शामिल होना सराहनीय है। संघवी ने कहा कि स्वतंत्रता के 75 वर्ष की पूर्णता के अवसर पर देशवासियों में पुनः एक बार एकता एवं राष्ट्र भावना की लहर जागी है। उन्होंने तिरंगा भेंट करने के स्थान पर स्व-वचन से राष्ट्र ध्वज खरीदने का बलपूर्वक आग्रह

किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व सांसद सी. आर. पाटिल ने सूरतवासियों के देश भक्ति के उत्साह का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हजारों युवाओं, क्रांतिकारियों, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के प्रताप से आज देशवासी मुक्त रूप से राष्ट्र ध्वज फहरा सकते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के 1 करोड़ घरों पर तिरंगा फहराने के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के संकल्प को हम सभी साथ मिल कर पूर्ण करेंगे। पाटिल ने कहा कि ऐसे में जबकि राष्ट्र ध्वज की आचार संहिता में सुगम परिवर्तन कर केन्द्र सरकार ने किसी भी स्थान पर दिन-रात में राष्ट्र ध्वज फहराने की स्वतंत्रता दी है, तब उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री की 'हर घर तिरंगा' की पहल के अंतर्गत स्वयं तिरंगा खरीदने एवं इस अभियान में उत्साह से जुड़ने का अनुरोध किया।

लम्पी वायरस रोग और गुजरात मॉडल: एक सफल आयोजन, तैयारी और समुचित कार्रवाई का उदाहरण: पशुपालन मंत्री

गांधीनगर । ओमिक्रोन की लहर शुरू होने के चंद महीनों के बाद ही गुजरात में एक और संक्रामक रोग का प्रकोप फैल गया है। इस बार राज्य का पशुधन लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) यानी लम्पी चर्म रोग वायरस से प्रभावित हुआ है। पशु चिकित्सा विशेषज्ञों ने वायरस का मूल अफ्रीका को बताया है। यह पाकिस्तान के रास्ते भारत में आया है। यह वायरस सौराष्ट्र में हुई भारी वर्षा के दौरान यहाँ फैला है। ऐसे मौसम में मवेशी वायरल बीमारी की चपेट में आ जाते हैं। हालाँकि, एलएसडी एक इलाज योग्य बीमारी है और यदि संक्रमण के प्रारंभिक चरण में ही उपचार किया जाए, तो पशु शीघ्र ही स्वस्थ हो जाता है। एलएसडी से ग्रसित होने के बाद

पशुओं में दूसरे या तीसरे दिन से लक्षण नजर आने लगते हैं और यदि तत्काल उपचार प्रदान किया जाए, तो पशु एकाध सप्ताह में स्वस्थ हो सकता है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार ने इस संक्रामक रोग को खत्म करने के लिए त्वरित कार्रवाई शुरू करते हुए इसे फैलने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने इस रोग से प्रभावित गांवों के आसपास के 5 किलोमीटर के क्षेत्रों में प्रभावित पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण करने के तत्काल निर्देश दिए। उन्होंने गहन सर्वेक्षण, उपचार और टीकाकरण के लिए 222 वेटेनररी अधिकारियों और 713 पशुधन निरीक्षकों को नियुक्त किया है। जामनगर, देवभूमि द्वारका और बनासकांठा जिलों

सरसाणा कन्वेंशन हॉल में इस साल जी9 ग्रुप और मुंबई के ऐपेक्ष संस्था द्वारा नवरात्रि का आयोजन किया गया

सूरत भूमि, सूरत ।

अगले 26 सितंबर से शहरवासी गरबा की धुन पर गूँज उठेंगे। कोरोना लहर के दो साल बाद इस साल शहर भर में खिलाड़ी जुटेंगे। मुंबई के जी9 ग्रुप और ऐपेक्ष संस्था द्वारा संयुक्त रूप से शहर के प्रसिद्ध सरसाणा कन्वेंशन हॉल में नवरात्रि का आयोजन किया गया है।

सूरत शहर में लगातार दो साल तक कोरोना के कारण नवरात्रि का आयोजन नहीं हो सका। लेकिन इस साल कोरोना की संख्या में कमी को देखते हुए शहर के बड़े समूहों द्वारा बड़े पैमाने पर योजना बनाई गई है। जिसमें सूरत शहर में पिछले 20 साल



से नवरात्रि मना रहा जी9 ग्रुप इस साल 26 सितंबर से 5 अक्टूबर तक ऐपेक्स के साथ सरसा के कन्वेंशन हॉल के ए/सी डोम में 10 दिनों तक नवरात्रि मनाएगा। जिसमें गायिका ऐश्वर्या मजूमदार ने अपना संगीत पेश किया। जी9 ग्रुप और ऐपेक्स के

धर्मांग दलाल, करण शाह और हिरन काकड़िया ने कहा कि इस बार नवरात्रि के इन 10 दिनों के दौरान हमने बाहरी आकर्षणों को भी बढ़ाया है जिसमें सरसाणा कन्वेंशन हॉल में हमारे पास गुंबद के अंदर खिलाड़ियों के लिए स्तंभ रहित गुंबद है

और ए/ गुंबद में सी गुंबद। और डेकोर के अंदर स्टेज डिजाइन भी बनाएँ और योजना भी बनाई ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग लेडो से गरबा देख सकें और इसके साथ ही MI बार लाइटिंग का खास आकर्षण है और एक ध्वनिक साउंड सिस्टम भी लगाया गया है।

और डेकोर के अंदर स्टेज डिजाइन भी बनाएँ और योजना भी बनाई ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग लेडो से गरबा देख सकें और इसके साथ ही MI बार लाइटिंग का खास आकर्षण है और एक ध्वनिक साउंड सिस्टम भी लगाया गया है।

उधना रेलवे स्टेशन को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा ग्रीन रेलवे स्टेशन रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया

सूरत ।

उधना जंक्शन रेलवे स्टेशन को ग्रीन उधना रेलवे स्टेशन के रूप में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में सूचीबद्ध किया गया है। जहाँ उधना रेलवे स्टेशन को प्रतिष्ठित इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा 'हार्ड एट वर्क फाउंडेशन' के

जरीफ गोद लिया था। जहाँ वर्ष 2019 से विभिन्न चरणों में विभिन्न पर्यावरण संरक्षण परियोजनाओं को अंजाम दिया गया। इस मौके पर ग्रीनमैन विरल देसाई ने कहा, 'यह गर्व की बात है कि ग्रीन उधना रेलवे स्टेशन को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। ग्रीन उधना रेलवे स्टेशन पिछले कई वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर के संगठनों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इकोसिस्टम रीस्टोरेशन और बायोडायवर्सिटी के क्षेत्र में ठोस परिणाम लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंचों से दुनिया को आह्वान कर रहे हैं। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि हमने एक रेलवे स्टेशन पर इकोसिस्टम रीस्टोरेशन और

क्लाइमेट एक्शन का कीर्तिमान स्थापित किया है। सूरत रेलवे स्टेशन के स्टेशन निदेशक दिनेश वर्मा ने कहा, 'उधना स्टेशन, जो कभी अनुसुना था, अब स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ब्रांड बन गया है। सारा श्रेय हर्ट्स एट वर्क फाउंडेशन और विरल देसाई को जाता है।' गौरतलब है कि देश का पहला पुलवामा स्मारक ग्रीन उधना रेलवे स्टेशन पर स्थित है। तो स्टेशन परिसर में ही चार सौ चिड़िया के साथ एक स्पोरोजोन है। इसके सीवाय स्टेशन पर लगभग पचास अद्वितीय चिड़ियों और कुछ आकृतियों के साथ एक ग्रीन गैलरी तैयार की गई है, जिसके माध्यम



से प्रतिदिन लगभग सोलह हजार लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश मिलता है। इसके अलावा उधना रेलवे स्टेशन के परिसर में ही भारतीय रेलवे का पहला शहरी वन तैयार किया गया है। मियावाकी शैली में डिजाइन किए गए इस शहरी जंगल को देश के शहीदों को समर्पित करते हुए 'शहीद स्मृति वन' नाम दिया गया है।

फिर गुजरात पहुंची मेघा की सवारी, अगले पांच दिन राज्य में भारी बारिश की संभावना

अहमदाबाद । गुजरात में फिर एक बार मेघा की सवार पहुंच गई है। आगामी पांच दिन राज्य में खासकर दक्षिण गुजरात में भारी बारिश होने की संभावना है। दक्षिण गुजरात के अलावा सौराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। वहीं अहमदाबाद समेत मध्य गुजरात में मध्यम के नेत्रंग में 1.5 इंच, गांधीनगर के दहेगाम में 1.5 इंच, तापी जिले की उच्छल तहसील में 1.5 इंच बारिश होने की खबर है। बता दें कि राज्य में अब तक मौसम की 71 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। जिसमें सबसे अधिक कच्छ में 118 प्रतिशत बारिश हुई है। जबकि दक्षिण गुजरात में 83 प्रतिशत मौसम की बारिश हुई है। दूसरी ओर मौसम के जानकार अंबालाल पटेल ने



6 अगस्त तक मध्य गुजरात में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना व्यक्त की है। पटेल के मुताबिक राज्य के कुछ क्षेत्रों में 6 इंच से भी अधिक बारिश हो सकती है। तापी और नर्मदा नदी के जलस्तर में वृद्धि होगी। अंबालाल के मुताबिक आगामी 10 अगस्त तक दक्षिण गुजरात में अतिभारी बारिश होगी। जबकि दक्षिण सौराष्ट्र के हिस्सों में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना है।

एयरटेल ने अगस्त 2022 से 5जी नेटवर्क शुरू करने के लिए एरिक्सन, नोकिया और सैमसंग के साथ समझौतों पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली । भारत की प्रमुख कम्प्यूनिवेशन सॉल्यूशंस प्रोवाइडर, भारती एयरटेल (एयरटेल) ने आज घोषणा की कि उसने अगस्त 2022 में 5जी सेवाएं शुरू करने के लिए एरिक्सन, नोकिया और सैमसंग के साथ 5जी नेटवर्क समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। एयरटेल की एरिक्सन और नोकिया के साथ कनेक्टिविटी और सम्पूर्ण भारत में अपनी सेवाओं के प्रबंधन के लिए पहले से साझेदारी कर रहा है जबकि सैमसंग के साथ साझेदारी इस वर्ष से प्रारम्भ होगी। यह 5त साझेदारी भारत में दूरसंचार विभाग द्वारा आयोजित स्पेक्ट्रम नीलामी के तुरन्त बाद हुई है, जिसमें एयरटेल ने 900 मेगाहर्ट्ज, 1800 मेगाहर्ट्ज, 2100 मेगाहर्ट्ज, 3300 मेगाहर्ट्ज और 26 गोीगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी में 19867.8 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम के लिए बोली लगाई और उसे अर्जित किया। इन समझौतों के विषय में चर्चा करते हुए, एयरटेल के एमडी और सीईओ गोपाल विट्टल ने

कहा, 'हमें यह घोषणा करते हुए बेहद प्रसन्नता हो रही है कि एयरटेल अगस्त में 5जी सेवाओं को प्रारंभ करेगा। हमारे नेटवर्क समझौतों को अंतिम रूप दे दिया गया है और एयरटेल अपने उपभोक्ताओं को 5जी कनेक्टिविटी का पूरा लाभ देने के लिए दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ टेक्नोलॉजी पार्टनर्स के साथ मिलकर काम करेगा। एक डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत का परिवर्तन दूरसंचार के नेतृत्व में होगा और 5जी उद्योगों, उद्यमों और भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास के डिजिटल परिवर्तन को गति प्रदान करने के लिए एक अभूतपूर्व अवसर प्रस्तुत करता है।'

साझेदारी में कई विकल्पों का होना एयरटेल को अल्ट्रा-हाई-स्पीड, लो लेटेंसी और बड़ी डेटा हैंडलिंग क्षमताओं वाली 5त सेवाओं को रोल आउट करने में सक्षम बनाएगा, जो उपयोगकर्ता को एक बेहतर अनुभव प्रदान करेगा और उद्यम व उद्योग क्षेत्र के ग्राहकों के साथ नए उपयोग की संभावनाओं में मदद करेगा। समझौते के बारे में बोलते हुए, एरिक्सन के प्रेसिडेंट और सीईओ, बोरजे एक्होम ने कहा: "हम भारत में 5जी सेवा के प्रारंभ होने के साथ भारती एयरटेल का सहयोग करने के लिए तत्पर हैं। एरिक्सन के बेजोर्ड, वैश्विक स्तर पर 5जी सेवाएं शुरू करने के अनुभव के साथ, हम भारती एयरटेल को भारतीय उपभोक्ताओं और उद्यमों को 5जी का पूरा लाभ देने में मदद करेंगे, जबकि भारती नेटवर्क को 4जी से 5जी तक निबंध रूप से विकसित करेंगे। 5जी भारत को अपने डिजिटल इंडिया विजन को साकार करने और देश के व्यापक विकास को बढ़ावा देने में सक्षम बनाएगा।

बहु-वर्षीय सौदे में नोकिया अपने बाजार-अग्रणी एयरस्केल पोर्टफोलियो से उपकरण प्रदान करेगा, साथ ही नेटवर्क प्रबंधन, परिणियोजन, योजना और अनुकूलन सेवाओं के लिए समाधान और सेवाएं प्रदान करेगा ताकि सर्वोत्तम एंड-यूजर अनुभव सुनिश्चित किया जा सके।

इस रक्षाबंधन पर बादाम के साथ दें सेहत का तोहफा

भारत । एक बार फिर त्यौहारों का महीना शुरू हो चुका है, जहाँ पूरे देशभर में लोग बहुप्रतीक्षित त्यौहार रक्षाबंधन की तैयारियों में जुट जाते हैं। रक्षाबंधन भाई-बहनों के रिस्ते के सम्मान के तौर पर मनाया जाता है। इस त्यौहार पर भाई-बहन एक-दूसरे के प्रति प्यार और भरोसे के प्रतीक के रूप में 'राखी' बांधते हैं और खूबसूरत तोहफों के साथ एक-दूसरे को सौहार्द देते के माँके का इंतजार करते हैं। वैसे तो तैयारियों जोरों पर हैं लेकिन यह वह समय भी होता है जब एक-दूसरे को दिए जाने वाले तोहफों के बारे में गहराई से सोचा जाए। इस रक्षा बंधन अपनों की सेहत और तंदुरुस्ती को ध्यान में रखते हुए, आर्य सेहत भा बादाम का एक बाँस देकर, उनकी बेहतर सेहत के बंधन को मजबूत करें। बादाम अच्छी सेहत का उपहार है, क्योंकि इसकी हर मुट्ठी (30ग्राम) प्रोटीन (6 जी), फाइबर (4 जी),

च्युडक फैट (9.5 ग्राम), विटामिन ई (7.7 मिलीग्राम), कैल्शियम (8 1 मिलीग्राम), मैग्नीशियम (81 मिलीग्राम) जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों और अन्य तत्वों का स्रोत है। कई शोध अध्ययनों ने भी बादाम को डायबिटीज प्रबंधन, वजन प्रबंधन, हृदय रोगों और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के लिये फायदेमंद साबित किया है। वनस्पति आधारित प्रोटीन का एक सक्रिय स्रोत है और लंबे समय तक पेट भरने को का एहसास कराता है। स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक, बादाम को कई तरह से पोसा जा सकता है - सादा, भुना या फ्लेवर्ड, या रिसिपी में एक सामग्री के रूप में भी। इस नट में जितने सेहतमंद गुण हैं, वह बादाम को इस रक्षाबंधन भाई-बहनों को देने के लिये सबसे बेहतर उपहार बनाता है। त्यौहारों के दौरान बादाम को एक सेहतमंद तोहफे के विकल्प के रूप में देने के बारे में, सेलिब्रिटी फिटनेस



इंटीग्रेटिव न्यूट्रिशनल एंड हेल्थ कोच, नेहा रंगलानी कहती हैं, 'पहले की सीख का इस रक्षाबंधन अच्छा इस्तेमाल करना और त्यौहार की एक सेहतमंद शुरुआत करना जरूरी है। मैं सलाह दूंगी कि अपने भाई-बहनों को तोहफा देने के दौरान मिठाई और चॉकलेट की जगह, कच्चे, रोस्ट किए हुए, हल्के साल्टेड या फ्लेवर्ड बादाम दिए जाएं। बादाम को पोषण से भरपूर माना जाता है, जो इसे स्वादिष्ट और सेहतमंद स्नेक बनाता है, जिन्हें दिन में किसी भी समय लिया जा सकता है।'